17 मई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

योजनाओं का लाभ किसानों तक हरहाल पहुंचाएं, नहीं होगी कार्रवाई : विजय सिन्हा
5

पूरी दुनिया ने देखी है हमारे ब्रह्मोस की ताकत

भुज में बोले रक्षा मंत्री

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो कुछ किया, उस पर देश को गर्व

एजेंसी/अहमदाबाद

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज वायु सेना स्टेशन का दौरा किया। इस एयरबेस को पिछले सप्ताह पाकिस्तानी सेना की ओर से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, उनके नापाक मंसूबों पर भारतीय सशस्त्र बलों ने पानी फेर दिया था। राजनाथ की यह यात्रा जम्मू-कश्मीर की यात्रा, नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के एक दिन बाद हुई।

उन्होंने कहा कि हमारे ब्रह्मोस की ताकत पूरी दुनिया ने देख ली है। पाकिस्तान पर हमारी मिसाइल कहर बनकर बरसी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहलगाम में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों को और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। मैं हमारे घायल सैनिकों के साहस को भी नमन करता हूं और ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों। हमारे देश की मजबूत भुजा भुज में आप सबके बीच आकर मुझे बड़ा गर्व हो रहा है। यह भुज, 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है और यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प। मैं आप सभी वायु योद्धाओं समेत, सशस्त्र बलों और बीएसएफ के सभी जांबाजों को सलाम करता हूं।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो कुछ किया, उसने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। भारतीय वायुसेना के लिए सिर्फ 23 मिनट काफी थे, पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचलने के लिए। मैं यह कहूं तो गलत नहीं होगा, कि जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों का निपटारा कर दिया। आपने दुश्मन की सीमा के भीतर जाकर जो मिसाइलें गिराईं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी और वास्तव में वह गूंज, सिर्फ मिसाइलों की ही नहीं थी, वह गूंज आपके शौर्य और भारत के पराक्रम की थी। राजनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने जो प्रभावी भूमिका निभाई है, उसकी सराहना इस देश में ही नहीं दूसरे देशों में भी हो रही है। आपने इस ऑपरेशन में न केवल दुश्मन को परास्त किया है, बल्कि उन्हें तबाह करने में भी कामयाबी हासिल की है।

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों की अचूक क्षमता का प्रतीक

दिल्ली में बोले गृह मंत्री

- गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में मल्टी-एजेंसी सेंटर का किया उद्घाटन
- देश की विभिन्न सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को प्रभावी बनाने के लिए बनाया गया है एमएसी

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर जोर दिया। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक जानकारी और भारतीय सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की तीनों सेनाओं की सटीक और ताकतवर कार्रवाई का बेहतरीन उदाहरण है।

शाह ने यह बात दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में एक नए मल्टी-एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन करते हुए कही। एमएसी देश की विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बनाने के लिए बनाया गया है। बता दें कि मल्टी एजेंसी सेंटर की स्थापना 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद की गई थी, ताकि सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच समय रहते जानकारी साझा की जा सके और आतंकी खतरों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बताया कि यह नया सेंटर खुफिया तंत्र को और अधिक कुशल बनाकर आतंकवाद जैसे खतरों से निपटने में मदद करेगा। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और सुरक्षा बलों की तैयारी को जाता है।

शाह ने एक भविष्य के लिए तैयार सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया, जो उभरती चुनौतियों, विशेष रूप से आतंकवाद और उग्रवाद से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम हो। गृहमंत्री ने इस अवसर पर देश के सुरक्षा बलों की तारीफ की और कहा कि यह केंद्र भारत के आतंकवाद-रोधी ग्रिड को और मजबूत करेगा।

खबरें फटाफट

असम में मानव तस्करी और डायन कुप्रथा रोकने की नीति लागू

दिसपुर। असम में मानव तस्करी और डायन कुप्रथा पर रोक के लिए बनाई गई नीति शुक्रवार से लागू हो गई। सरकार ने शुक्रवार को इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी। इस कानून का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के सभी लोग हर प्रकार के दुर्व्यवहार से मुक्त होकर समान जीवन जी सकें। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक पोस्ट साझा कर नीति के अधिसूचित होने की जानकारी दी। पोस्ट में लिखा गया कि 'मानव तस्करी से निपटने और डायन कुप्रथा को समाप्त करने के लिए असम राज्य नीति अब आधिकारिक रूप से अधिसूचित हो गई है। राज्यपाल ने एक आदेश द्वारा 6 मई को जारी अधिसूचना में कहा कि नीति आधिकारिक राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगी। नीति के अनुसार, इसका उद्देश्य एक ऐसा राज्य बनाना है, जहां सभी व्यक्ति समान जीवन जीकर अपनी पूरी क्षमता को प्राप्त कर सकें, सभी तरह के दुर्व्यवहार और शोषण से मुक्त हो सकें और निजी और सार्वजनिक जीवन में समान रूप से भाग ले सकें। नीति में कहा गया कि मानव तस्करी और डायन कुप्रथा दो ऐसे अपराध हैं जो महिलाओं और लड़कियों को प्रभावित करते हैं।

कैबिनेट की बैठक में 69 एजेंडों पर लगी मुहर, नीतीश सरकार ने लिये अहम फैसले

गया शहर अब गया जी के नाम से जाना जाएगा, सरकारी कर्मचारियों का डीए बढ़ा

- जन्म-मृत्यु का रजिस्ट्रेशन अब गांव स्तर पर पंचायत सचिव के माध्यम से हो सकेगा
- पंचायत सरकार भवनों के लिए 27 अरब रुपये की राशि की मिली स्वीकृत

केटी न्यूज/पटना

बिहार में शुक्रवार को कैबिनेट की अहम बैठक हुई, जिसमें सीएम नीतीश कुमार के साथ तमाम बड़े मंत्री मौजूद रहे। कैबिनेट की बैठक में नीतीश सरकार ने 69 एजेंडों पर मुहर लगाई है। इस बैठक में गया शहर का नाम बदलने से लेकर कर्मचारियों के डीए बढ़ाने और जीविका दीदी के लिए अलग बैंक समेत कई अहम फैसलों पर मुहर लगी है। इस बैठक में सातवां केंद्रीय वेतनमान तहत वेतन पेंशन पाने वाले सरकारी कर्मियों को बड़ा तोहफा 53% से बढ़ा कर 55% करने का फैसला लिया गया। कुल 2% प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है। वहीं छठे वेतनमान के तहत वेतन और पेंशन पाने वाले सरकारी कर्मियों को 6% महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है। पांचवें वेतनमान के तहत वेतन और पेंशन पाने वाले को 11% का महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है, इसकी स्वीकृति कैबिनेट से मिल गई है। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर 1070 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

कैबिनेट की मीटिंग में गया शहर का नाम बदलने की स्वीकृति मिल गई है। अब नया नाम गया जी हो गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से गया शहर का नाम बदलकर गयाजी करने का प्रस्ताव आया था, जिसे बिहार कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। बोधगया शहर के लिए जल पूर्ति परियोजना को भी मंजूरी मिली है। इसके साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी की प्रत्येक वर्ष 5 जनवरी को राजकीय समारोह को के रूप में जन्मतिथि मनाई जाएगी। इसकी भी कैबिनेट में मंजूरी मिली है।

पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 900 ग्राम पंचायत में पंचायत सरकार बनाने को मंजूरी मिली है। बिहार के कई जिले में केंद्रीय विद्यालय संगठन का विद्यालय बनेगा। गोपालगंज, अररिया और भागलपुर में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय बनेगा। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में अब शिक्षा विभाग के अंतर्गत नियुक्त शिक्षक को प्रति नियुक्त किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवानों के परिवार को 50 लाख का अनुदान

नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री, बिहार

बैठक में सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवानों के परिवार को 50 लाख का सरकारी अनुदान देने पर भी फैसला लिया है। पर्यटन मंत्रालय के स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 के अंतर्गत बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र बोधगया के निर्माण के लिए 165 करोड़ 44 लाख 30000 रुपये की स्वीकृति दी गई। बिहार राज्य उड्डयन प्रशिक्षण संवर्ग भर्ती नियमावली 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई। किसान सलाहकार योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2025- 26 में एक अरब 25 करोड़ 95 लाख 23 हजार रुपए निकासी और खर्च की स्वीकृति दी गई है। वहीं जीविका दीदी के लिए अलग बैंक होगा, प्रखंड अंचल कार्यालय की सफाई भी अब जीविका दीदी करेंगी। जन्म-मृत्यु का रजिस्ट्रेशन अब गांव स्तर पर पंचायत सचिव के माध्यम से हो सकेगा और नए आंगनबाड़ी केंद्रों को भी मंजूरी दी गई है। पंचायत सरकार भवनों के लिए 27 अरब रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

पटना हाईकोर्ट में पार्किंग व अन्य सुविधाओं पर 302 करोड़ खर्च होंगे

पटना उच्च न्यायालय में विभिन्न बहुमंजिलीय भवनों तथा प्रशासनिक एवं आईटी भवन ऑडिटोरियम एवं मल्टी लेवल कर पार्किंग और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए 302 करोड़ 56 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई। सहकारिता विभाग के अंतर्गत लिपिक पद के लिए 333 पदों सृजन स्वीकृति दी गई। पहले से 498 पद थे। बिहार सरकार की नौकरियों में अब बिहार के मूल निवासी बेंचमार्क दिव्यांग को ही क्षैतिज आरक्षण मिलेगा। छपरा जिले के सोनपुर को नगर परिषद बना दिया गया। औरंगाबाद के मदनपुर को भी नगर पंचायत बना दिया गया है। मुख्य जांच आयुक्त के कार्यालय में 125 पदों की स्वीकृति मिली है। जन्म मृत्यु से संबंधित आवेदन का निष्पादन ग्राम पंचायत स्तर पर होगा। बिहार में कैंसर की बीमारी के लिए कैंसर केयर अप रिसर्च सोसाइटी का गठन किया गया है। राज्य सरकार ने पांच डॉक्टरों को सेवा से अनुपस्थित रहने के कारण बर्खास्त कर दिया है। मेट्रो के लिए 2 करोड़ 56 लाख 9 हजार करोड. रुपये के भुगतान की अनुमति दी गई है। उद्यान्न प्रशिक्षण निदेशालय के गैर तकनीकी पदों के नियमावली में परिवर्तन कर दिया गया। भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय इमामगंज, समस्तीपुर, भोजपुर के भवनों का पुनर्निर्माण होगा।

भारत के रक्षा बजट में 50000 करोड़ की हो सकती है बढ़ोतरी

देश के रक्षा तंत्र को और मजबूत करने की तैयारी

एजेंसी/नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार रक्षा बजट को 50 हजार करोड़ रुपये का बूस्ट देने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि ऑपरेशन सिंदूर के परिणामस्वरूप भारत के रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि यह वृद्धि, जो संभवतः अनुपूरक बजट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, कुल रक्षा आवंटन को 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर देगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे। इस वर्ष का आवंटन पहले ही 2024/25 के 6.22 लाख करोड़ रुपये से 9.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया कि बढ़ा हुआ बजट का उपयोग संभवतः अनुसंधान और विकास, तथा हथियार, गोला-बारूद और अन्य आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इसके लिए संसद के शीतकालीन सत्र में मंजूरी मांगी जाएगी। डिफेंस सेक्टर पर 2014 से ही नरेंद्र मोदी सरकार का फोकस रहा है। बीजेपी सरकार के पहले वर्ष 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। वर्तमान आवंटन सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है और कुल बजट का 13 प्रतिशत है। भारत की रक्षा तैयारी और (संभावित) बजट आवंटन में वृद्धि, पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच हुई है।

यह विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले और भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर के बाद है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था।

पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलेंगे सांसद

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान की सरजमीं से संचालित आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस नेता शशि दुनियाभर में भारत की राय रखेंगे। थरूर को पाकिस्तान से संचालित आतंकवाद के खिलाफ दुनिया भर में भारत की तरफ से एक बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें इस मामले में भारत का पक्ष रखने के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। भारत सरकार दुनिया को बताना चाहती है कि पाकिस्तान से आतंकवाद कैसे फैलता है। इसके लिए सरकार एक खास योजना बना रही है। शशि थरूर, जो भारत में विदेश मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष भी हैं, इस काम में आगे रह सकते हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में अलग-अलग पार्टियों के सदस्य होंगे। शशि थरूर के करीबियों ने बताया कि केंद्र सरकार ने उनसे इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए संपर्क किया है। सूत्रों ने बताया, "सरकार चाहती है कि थरूर खासकर अमेरिका में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करें। क्योंकि वह विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। हालांकि, शशि थरूर ने सरकार से पहले कांग्रेस पार्टी से बात करने को कहा है। इस योजना के तहत कई प्रतिनिधिमंडल बनाए जाएंगे। हर प्रतिनिधिमंडल में पांच से छह सांसद होंगे। उनके साथ विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि और सरकार का एक और अधिकारी भी होगा। सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल 22 मई के आसपास भारत से रवाना होगा और जून के पहले हफ्ते में वापस आएगा।

प. बंगाल में पुलिस से झड़प के बाद भी जारी रहा शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल के साल्ट लेक स्थित शिक्षा विभाग मुख्यालय विकास भवन के बाहर शुक्रवार को भी शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारी शिक्षक मांग कर रहें है कि उन्हें दोबारा परीक्षा देने के लिए मजबूर न किया जाए और उनकी नौकरियां तुरंत बहाल की जाएं। बता दें कि बीते गुरुवार को प्रदर्शन के दौरान पुलिस और शिक्षकों के बीच जमकर झड़प हुई थी। कई शिक्षक घायल हो गए थे, जिनमें से 60-70 को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। बावजूद इसके शुक्रवार को हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी दोबारा इकट्ठा हुए और प्रदर्शन जारी रखा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि गुरुवार को शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों पर पुलिस ने अचानक लाठीचार्ज कर दिया।

जस्टिस बेला त्रिवेदी के लिए फेयरवेल पार्टी न होने पर मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर की

जस्टिस बेला त्रिवेदी रिटायर, नहीं आयोजित हुआ विदाई समारोह

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला त्रिवेदी के रिटायरमेंट पर उनके लिए आधिकारिक विदाई समारोह नहीं आयोजित किया गया। ये समारोह सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन आयोजित करते हैं। जस्टिस बेला त्रिवेदी के लिए फेयरवेल पार्टी न होने पर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टीस एजी मसीह ने शुक्रवार को नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन

(एससीएओआरए) परंपरागत रूप से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को उनकी सेवानिवृत्ति पर विदाई देने के लिए विदाई समारोह आयोजित करते हैं। मगर जस्टिस त्रिवेदी की सेवानिवृत्ति को चिह्नित करने के लिए अभी तक किसी भी निकाय द्वारा ऐसा कोई कार्यक्रम अधिसूचित नहीं किया गया। यह बात जस्टिस त्रिवेदी के सुप्रीम कोर्ट में अंतिम कार्य दिवस को चिह्नित करने के लिए शुक्रवार को बैठी औपचारिक पीठ के न्यायाधीशों की नजर से नहीं बची। शुक्रवार को एससीबीए अध्यक्ष कपिल सिब्बल और उपाध्यक्ष रचना श्रीवास्तव शुक्रवार की सुबह औपचारिक पीठ के सामने पेश हुए। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट एओआर एसोसिएशन को पत्र लिखकर जस्टिस बेला त्रिवेदी के लिए विदाई समारोह आयोजित करने का अनुरोध किया है।

जस्टिस त्रिवेदी को 31 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। तब 3 महिलाओं सहित रिकॉर्ड 9 नए न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई गई थी। शुक्रवार को जस्टिस त्रिवेदी सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली औपचारिक पीठ में शामिल रहीं, जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त होने की परंपरा है। वो पांच जजों की उस संविधान पीठ का हिस्सा थीं, जिसने 3:2 के बहुमत से साल 2022 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रखा था।

संवाद में महिलाओं ने उठाए कई मुद्दे, दिव्यांग महिलाओं ने निभाई भागीदारी

- चौसा के चुन्नी में आयोजित हुआ महिला संवाद, दी गई योजनाओं की जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा प्रखंड के चुन्नी पंचायत स्थित सूरज महिला ग्राम संगठन में शुक्रवार को "महिला संवाद" कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रखंड के 56 ग्राम संगठनों में सफलतापूर्वक आयोजित हुए इस महिला संवाद कार्यक्रम में दिव्यांग सहभागियों की भागीदारी बहुत ही उल्लेखनीय रही। चौसा अन्तर्गत महिला संवाद कार्यक्रम 18 अप्रैल से 16 मई तक कुल 29 दिनों और दो पालियों में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों की महिलाओं ने सहभागिता की और अपनी समस्याएं, अनुभव और योजनाओं से मिले लाभों को खुलकर साझा किया। खास बात यह रही कि इस संवाद में शारीरिक रूप से असक्षम (दिव्यांग) प्रतिभागियों ने भी भाग लिया, जिससे यह आयोजन और भी खास बन गया।

बिहार पुलिस में सेवा देने का सपना देख रही है पिंकी की बेटी : कार्यक्रम में पिंकी देवी ने बताया कि उनकी बेटी को मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत छात्रवृत्ति मिली है और अब वह बिहार पुलिस में सेवा देने का सपना देख रही है। ललिता कुमारी ने साइकिल योजना से लाभ मिलने का अनुभव साझा किया, ललिता ने बताया कि साइकिल मिलने से स्कूल जाना आसान हुआ। अनीता देवी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत अपने पति के मुफ्त इलाज होने की जानकारी दी। रेणु देवी ने पोशाक योजना से बच्चों के लिए स्कूल ड्रेस मिलने की बात कही। ममता देवी ने शौचालय निर्माण योजना का लाभ उठाकर अपने घर में शौचालय बनवाने की बात बताई, जिससे महिलाओं की गरिमा सुरक्षित हुई।

महिलाओं को 31 योजनाओं की दी गई जानकारी: वीडियो-ऑडियो युक्त जागरूकता संवाद रथ के माध्यम से 45 मिनट के फिल्म की प्रस्तुति के साथ सभी प्रतिभागियों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उसके बाद 31 योजनाओं की जानकारी सूची सहित लीफ़्लेट्स तथा माननीय मुख्यमंत्री जी का एक विशेष संदेश पत्र महियालों के लिये है वो भी सभी को बांटे गए।

चालक और ऑपरेटर को किया गया सम्मानित : कार्यक्रम के अंत में सूरज महिला ग्राम संगठन की महिला नेतृत्व दल द्वारा जागरूकता रथ के चालक और ऑपरेटर को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी निरंतर सेवा, तकनीकी सहयोग और गांव-गांव जाकर योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए दिया गया। महिलाओं ने कहा कि संवाद वाहन की मदद से दूर-दराज की महिलाओं तक भी योजनाओं की जानकारी पहुंच सकी।

इस अवसर पर बीपीएम चौसा शौभना गुप्ता, एरिया को ऑर्डिनेटर धर्मेन्द्र चौधरी तथा कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर की टीम ने अंतिम धन्यवाद ज्ञापन भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक जयघोष और धन्यवाद के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सरकार की इस पहल को जीविका के ग्राम संगठनों द्वारा सफल संचालन को सराहा और भविष्य में भी इसी तरह के आयोजन की मांग की।

नारी सशक्तिकरण

नारी का हर सपना, अब हो रहा साकार
हर कदम पर साथ बिहार में निभा रही सरकार।
बाल विवाह, दहेज प्रथा पर सख्त हुआ कानून,
चहारदीवारी से बाहर अब दिखने लगा जूनून।

महिलाओं के विकास का जीविका बनी आधार
सामाजिक कुरुतियों पर भी हुआ कड़ा प्रहार।
बढ़ते हुए बिहार की अब बदल रही तस्वीर,
बिहार की नारी खुद से ही अब लिखती अपनी तकदीर।

भावनाओं को शब्द मिले प्रकट हुए जज्बात,
कदम कदम पर मिल रहा है सरकार का साथ।
टूट चुका हर मिथक यहां का दूर हुई हर भ्रांति,
साईकिल और पोशाक योजना से, आई नई इक क्रांति।

सरकारी नौकरी में मिला आरक्षण का लाभ,
सब के सब पूरे हुए देखें थे जो ख्वाब।
सुन लो मेरी प्यारी बहना सुन लो मेरे भाई,
पढ़ी लिखी थी जो महिला वो शिक्षिका बनकर आई।

घर की दहलीजों को लांघकर सपने किए साकार,
मैंने भी इन आंखों से देखा बदलता हुआ बिहार।
छात्राओं की बढ़ी उपस्थिति बढ़ी उनकी भागीदारी,
स्कूलों में रौनक लौटी हरी भरी फुलवारी।

बंद हुआ शराब बिहार में बंद हुई गुंडागर्दी,
महिलाओं ने थामा कमान, और धारण कर ली वर्दी।
हाथों में बंदूक बदन पर खाकी रंग पोशाक
सदन से लेकर सड़क तक होती अब महिलाओं की बात।

कहीं मुखिया, कहीं सरंपच कहीं ब्लाक प्रमुख बनकर हैं,
गर्व भरा मस्तक नारी का खड़ी हुई तनकर है।
मिला सभी को सम्मान और मिला सबको रोजगार,
नारी के सम्मान की खातिर खड़ी है ये सरकार।

खड़ी है ये सरकार प्रशासन भी साथ खड़ी है,
सरकार मंशा उम्मीदों से भी बहुत बड़ी है।
हर योजना हर लाभुक को मिलता जाए,
है यही प्रयास नया बिहार बनाए।

पूर्णानंद मिश्रा
शिक्षक सह लेखक सह उद्घोषक सह कवि

खबरें फटाफट

बिजली चोरी के खिलाफ तीन गांवों में चली सघन छापेमारी

चौगाई। बिजली विभाग की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया। यह अभियान मुरार थाना क्षेत्र के तीन गांवों असमारी, बसंतपुर व अहरा डेरा गांव में चलाया गया। इस दौरान कुल 11 लोगों को बिजली चोरी के आरोप में चिन्हित करते हुए उन पर 2 लाख 86 हजार 772 रूपए का जुर्माना लगाते हुए मुरार थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया है। बिजली विभाग चौगाईं प्रशाखा के जेई शैलेश कुमार ने मुरार पुलिस को दिए आवेदन में असमारी अनुसूचित जाति बस्ती के समीप के चंदन सिंह पर 50308 रूपए, संटू सिंह पर 35200 रूपए बसंतपुर गांव क चंद्रमा चौधरी पर 48824 रूपए, सुखारी चौधरी पर 23846 रूपए, सत्यनारायण चौधरी पर 56941 रूपए, राजकुमार चौधरी पर 24369 रूपए, अहरा डेरा गांव निवासी रंगीला यादव पर 7032 रूपए, मुन्ना यादव पर 6610 रूपए, गंगा सागर यादव पर 6610 रूपए, बिरदा यादव पर 4690 रूपए तथा धनमुखिया देवी पर 22342 रूपए का जुर्माना लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया है। मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जेई के बयान पर चिह्नित लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

स्कार्पियो में भेड़ बकरियों की तरह लादे गए थे मवेशी, दम घुटने से एक की मौत

चक्की में स्कार्पियो से पशु तस्करी का भंडाफोड़, 3 मवेशी बरामद, तस्कर गिरफ्तार

- यूपी के गाजीपुर का रहने वाला है धराया तस्कर, फरारियों की गिरफ्तारी के लिए हो रही है छापेमारी
- दोनों जिंदा मवेशियों की हालत भी बनी हुई है नाजूक, इलाजरत

केटी न्यूज/चक्की

ग्रामीणों की तत्परता से पकड़े गए पशु तस्कर

पशु तस्कर एक स्कार्पियो जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी है, उसमें एक गाय व दो सांढ़ समेत कुल तीन मवेशियों को बेरहमी से लादकर रानीसागर वधाशाला ले जा रहे थे। तस्कर जनेश्वर मिश्र सेतू को पार कर चक्की गांव तक चले आए थे, लेकिन विशेश्वर डेरा गांव के पास वे जैसे ही पहुंचे कि स्कार्पियो के अंदर से पशुओं की आवाज सुन ग्रामीण समझ गए कि इस वाहन से पशुओं की तस्करी कर ले जाई जा रही है। ग्रामीण तत्काल उक्त वाहन का पीछा करने लगे। ग्रामीणों से खुद को घिरता देख स्कार्पियो चालक एक जगह गाड़ी रोक दिया तथा उसमें से उतरकर चार लोग भागने लगे। ग्रामीणों ने एक को दौड़ाकर पकड़ लिया तथा इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी।

दियारा क्षेत्र की पुलिस अभी तक शराब तस्करों के नये-नये हथकंडे से परेशान थी, लेकिन अब पशु तस्करों की तरकीब ने पुलिस को एक बार फिर से सोचने पर विवश कर दिया है।

शुक्रवार की अहले सुबह चक्की थाना क्षेत्र के स्थानीय विशेश्वर डेरा गांव में ग्रामीणों ने एक पशु तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए एक स्कॉर्पियो पर लदी एक गाय व दो सांढ़ समेत कुल तीन मवेशियों के साथ ही एक पशु तस्कर को पकड़ पुलिस को सौंपा। जबकि तीन अन्य मौके का फायदा उठा भागने में सफल रहे। स्कॉर्पियो में गाय व साढ़ को भेंड़-बकरियों की तरह लादा गया था तथा उन्हें यूपी से भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित रानीसागर वधशाला पहुंचाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही ग्रामीणों ने उनका खेल खराब कर दिया। वहीं, दम घुटने के गाय की मौत हो चुकी थी, जबकि दोनों सांढ़ की हालत भी नाजूक बनी हुई थी, जिनका पशु चिकित्सकों द्वारा इलाज के बाद उन्हें आदर्श गौशाल बक्सर भेजा गया, जबकि मृत गाय का पोस्टमार्टम के बाद मिट्टी के अंदर दफनाया गया।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान यूपी के गाजीपुर जिला अंतर्गत दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के दुल्लापुर गांव निवासी मुमताज के पुत्र अशरफ के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने फरार हुए तीनों पशु तस्करों की पहचान चालक पप्पू गांव मुबारकपुर, आजमगढ़, खालिद दुल्लापुर, गाजीपुर, और आजमगढ़ के मुबारकपुर गांव के मटरू के रूप में बताई है। पुलिस तस्कर से पूछताछ कर उसके पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है, वहीं फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

इस मामले में एसपीसीए डुमरांव के निरीक्षक कृष्णा कुमार गुप्ता के बयान पर चक्की थाने में पशु तस्करी, पशु परिवहन अधिनियम आदि की धाराओं में एफआईआर दर्ज कराया गया है।

पुलिस ने दी एसपीए निरीक्षक को जानकारी : मौके पर पहुंची पुलिस ने स्कार्पियो को थाने लाई तथा पशु तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। थाना पहुंच जब स्कार्पियो को खोला गया तो उसमें से तीन मवेशी बरामद हुए, जिनमें एक गाय की मौत हो चुकी थी, जबकि दो सांढ़ भी मरणासन्न थे। पुलिस द्वारा तत्काल इसकी जानकारी एसपीसीए निरीक्षक कृष्णा कुमार तथा पशु चिकित्सक को दी गई। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक ने बीमार पशुओं का इलाज किया, जबकि एसपीसीए निरीक्षक के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया।

चक्की थानाध्यक्ष संजय पासवान ने बताया कि सुबह करीब छह बजे विशेश्वर डेरा के ग्रामीणों ने पशुओं से लदी एक संदिग्ध गाड़ी की सूचना दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्कॉर्पियो को रोका, लेकिन चालक और कुछ अन्य लोग गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। गाड़ी की तलाशी में तीन पशु एक गाय और दो सांड मिले, जिनमें गाय मृत पाई गई। दो जीवित सांडों को प्राथमिक इलाज के बाद आदर्श गौशाला, बक्सर में सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेनामा पर सौंपा गया है। मृत गाय का पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद पुलिस और एसपीसीए निरीक्षक की मौजूदगी में उसका दाह-संस्कार किया गया।

वहीं, एसपीसीए निरीक्षक ने बताया कि गाड़ी में पशुओं के लिए खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं थी, वाहन में उनके चारा पानी का भी इंतजाम नहीं था तथा उनका मेडिकल प्रमाण पत्र व खरीदगी का प्रमाण पत्र भी नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11, पशु परिवहन अधिनियम 1978 की धारा 47, 50, 54, बिहार पशु संरक्षण अधिनियम 1955 की धारा 03, और भादवि की धारा 317(5) के तहत एफआईआर दर्ज कराया गया है।

जिला खनन विभाग ने पकड़ा बालू लदा ट्रक, लगाया 8.77 लाख का जुर्माना

डुमरांव। डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर शुक्रवार को खान निरीक्षक आकाश कुमार ने कोरान सराय के पास बालू लदे एक ट्रक को जब्त कर स्थानीय पुलिस को सुपुर्द किया। इस संबंध में प्रभारी खनिज विकास पदाधिकारी ने बताया कि इस वाहन पर लगभग 8 लाख 77 हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया गया है। उन्होंने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला खनन कार्यालय की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने सभी वाहन मालिकों को विभागीय नियमावली का पालन कर लघु खनिज का परिवहन करने की सलाह दी। दूसरी तरफ खनन विभाग की इस कार्रवाई से ओवर लोड परिचालन करने वाले ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया है।

खुशखबरी: बक्सर के केन्द्रीय विद्यालय का होगा अपना भवन, लंबे इंतजार के बाद मिली जमीन

केटी न्यूज/बक्सर

फाइल फोटो

पिछले दो दशक से उधार के भवन में चल रहे बक्सर केन्द्रीय विद्यालय के दिन अब बहुरने वाले है। लंबे इंतजार के बाद इस विद्यालय के भवन निर्माण के लिए भूमि मिल गई है।

शुक्रवार को राजस्व व भूमि सुधार विभाग ने इस विद्यालय के भवन निर्माण के लिए करीब 3.81 एकड़ जमीन उपलब्ध करा दी है। जिससे इस विद्यालय के भवन निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है।

यह जमीन सदर अंचल के मौजा-बक्सर किला, थाना संख्या-332, खाता संख्या-292 में चयनित किया गया है। वर्तमान में यह सिंचाई विभाग के जिम्मे है। सरकार के निर्णय के अनुसार वर्तमान में तीस वर्ष के लिए केंद्रीय विद्यालय बक्सर को लीज पर दी जा रही है। सरकार ने लीज नवीनकरण विकल्प के साथ निःशुल्क बंदोबस्त की स्वीकृति दी है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय विद्यालय संगठन ने भवन निर्माण के लिए पूर्व से ही करीब 55 करोड़ रुपये की राशि रखी हुई है। भूमि स्थानांतरित होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

बक्सर में आज भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा

बक्सर। 22 मई को पहलगाम में 26 निर्दोष व्यक्तियों की पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा निर्मम हत्या करने के बाद भारत के प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक आतंकियों व उनके गढ़ को ध्वस्त करने में हमारे सशस्त्र बलों द्वारा किए गए पराक्रम व शौर्य पूर्ण कार्रवाई से 26 सैलानियों के हत्या का बदला लिया। पीएम के नेतृत्व व सेना के सम्मान में शनिवार की शाम 4:30 बजे जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बक्सर के किला मैदान से तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा। समिति में भाजपा की जिला उपाध्यक्ष मीना सिंह कुशवाहा को संयोजक व सह संयोजक के रूप में पूनम रविदास, शीला त्रिवेदी, संध्या पांडेय, इंदु देवी, वर्षा पांडेय व कंचन देवी को बनाया गया है।

घरेलु गैस लदी कंटेनर में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर, एक जख्मी

- बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर नया भोजपुर थाना के समीप की है घटना
- जानकारी मिलते ही जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर नया भोजपुर थाना के समीप एक भीषण हादसा होते-होते बच गया। हुआ यूं कि थाना के समीप एनएच 922 के दक्षिणी लेन में खड़ी घरेलू गैस सिलेंडर लदी कंटेनर में पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दिया। इस हादसे में दुर्घटना को अंजाम देने वाली ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

घटना सुबह करीब 5.30 बजे की बताई जा रही है। इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाल उसे सदर अस्पताल पहुंचाया।

जख्मी चालक की पहचान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के रानी सराय के मुन्ना सिंह के 48 वर्षीय पुत्र रमेश सिंह के रूप में की गई है। समाचार लिखे जाने तक उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना के दौरान तेज आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया था। लोगों का कहना था कि यदि इस दुर्घटना में गैस सिलेंडर फट जाता या आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। पूरा कंटेनर घरेलु सिलेंडर से भरा था, ऐसे में आग बुझाना भी आसान नहीं होता। बहरहाल घटना के बाद सिलेंडर लदी कंटेनर के सुरक्षित रहने से लोगों ने राहत की सांस ली।

घटना संबंध में नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची तथा राहत व बचाव कार्य में जुट गई। उन्होंने कहा कि जख्मी चालक को अस्पताल पहुंचाया गया है तथा उसके स्वजनों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बनारपुर पंचायत भवन में आयोजित किसान मजदूर समागम में बड़े पैमाने पर जुटे किसान मजदूर

किसान अब झुकने वाले नहीं हैं: दिनेश

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा पावर प्लांट के प्रभावित किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा और राज्य संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में शुक्रवार को पंचायत भवन बनारपुर में आयोजित किसान मजदूर समागम में बड़े पैमाने पर किसान मजदूर शामिल हुए।

इस दौरान करतल ध्वनि से प्रस्ताव पास किया कि 20 मार्च 2024 की तरह एक बार फिर प्रशासन आतंक फैलाकर झूठा और फर्जी मुकदमा कर लाख डराने का हमें प्रयास करें, लेकिन कोर्ट के निर्देश पर गांव में हुए पुलिसिया तांडव के दोषी प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस प्रशासन पर किसान मुकदमा अवश्य करेंगे। प्रशासन चाहे जो करे किसान नहीं रुकेंगे।

मौके पर भारतीय किसान यूनियन के बिहार प्रभारी दिनेश कुमार ने कहा कि प्रशासन चाहे जितना भी आतंक और दहशत फैलाए मगर किसान झुकने वाले नहीं है। पुलिस प्रशासन यदि चाहती है कि सत्ता के अधिकारों और दमन की ताकतों से किसानों और मजदूरों को कुचल देंगे, तो वे भ्रम में है। अपने वाजिब और कानून मांगों को लेकर अपने हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। चौसा के किसानों को गर्व है कि अपनी चट्टान एकता और लोकतांत्रिक अधिकार के तहत शांतिपूर्ण आंदोलन के रास्ते चलकर जिले के भ्रष्ट और जुल्मी जिला प्रशासन को जेल भिजवाने के कगार पर हम पहुंचे हैं। यदि जिला प्रशासन अपने गंदे हरकतों से बाज नहीं आया तो किसानों का अगला जमावड़ा चौसा में होगा। जहां किसान कभी शेरशाह सूरी के नेतृत्व में चौसा के ऐतिहासिक मैदान में मुगल बादशाह हुमायूं को पराजित कर खदेड़ा था।

बिहार के वरिष्ठ किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि बक्सर जिला प्रशासन ने चौसा थर्मल प्रबंधन के इशारे पर एक सुनियोजित साजिश के तहत स्थानीय ग्रामीणों को एक बार फिर आतंकित करने के लिए झूठा मुकदमा कर मीडिया के माध्यम से बक्सर जिला वासियों को गुमराह करने हेतु अखबारों के माध्यम से झूठा समाचार छपवाने के लिए झूठी कहानी गढी है। ताकि इस मुकदमा के बहाने फिर गांव पर हमला किया जाए और 20 मार्च 2024 की पुनरावृत्ति के लिए वातावरण तैयार किया जा सके। मगर आज हम खुलेआम कहना चाहते हैं कि जिला प्रशासन ने फिर अपने नापाक मंसूबों को अमल में लाने की जरूरत की तो बिहार के किसान मजदूर इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। बल्कि चौसा के किसान मजदूर के साथ मिलकर पूरे बिहार में सत्ता की चूलें हिला देंगे। इस दौरान प्रभावित किसान मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष रामप्रवेश यादव के अलावा किसान समागम को दर्जनों किसान नेताओं ने संबोधित किया। समागम की अध्यक्षता शैलेश राय ने की, जबकि मंच संचालन विजय नारायण राय ने की।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98
English Core : 97
Physical Education : 96
Mathematics : 92
Biology : 91
Physics : 91
Business Studies : 86
Economics : 83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

लोगों का एक छोटा सा कदम, डेंगू की बीमारी से परिवार और समुदाय को बचा सकता है : डॉ. विनोद

♦ राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य संस्थानों व सरकारी स्कूलों में जागरूकता अभियान आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों और विभिन्न सरकारी स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को डेंगू के लक्षण, इसके जांच व इलाज के साथ बचाव की भी जानकारी दी गई। इस क्रम में जिला मुख्यालय स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह व जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार के नेतृत्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां पर यूपीएचसी के कर्मचारियों के अलावा जिला यक्ष्मा केंद्र, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय समेत जीएनएम के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने बताया कि इस बार "देखें, साफ करें, ढकें- डेंगू को हराने के उपाय करें" की थीम पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हर वर्ष डेंगू के मामलों में वृद्धि के कारण जन स्वास्थ्य के लिए यह एक गंभीर चिंता का विषय है। अतः सरकार और स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू के नियंत्रण हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। डेंगू नियंत्रण को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति के साथ साथ जिला प्रशासन और स्थानीय नगर निकायों के स्तर भी डेंगू नियंत्रण के लिए कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अभियान में सहयोग करने की अपील की। कहा कि लोगों का एक छोटा कदम, समाज को इस बीमारी से बचा सकता है।

सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में होती है डेंगू की निःशुल्क जांच : डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि डेंगू एक गंभीर वायरल बीमारी है, जो एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। डेंगू नियंत्रण के लिए सभी क्षेत्रों में सफाई कार्य तेज कर दी गई है। रुके हुए पानी को हटाने और कीटनाशक का छिड़काव नियमित रूप से किया जा रहा है। वहीं, डेंगू के मच्छरों का प्रसार रोकने के लिए स्रोत नाशक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मच्छरों के अंडे और लार्वा को नष्ट करने पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, प्रत्येक प्रखंड के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर लोग डेंगू की निःशुल्क जांच करा सकते हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग डेंगू के मामलों पर सख्त निगरानी रख रहा है, और जहां भी नए मामले सामने आ रहे हैं, वहां त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

सभी लोगों को डेंगू के लक्षणों की जानकारी होनी आवश्यक : सीएचओ पूर्णिमा सिंह

डुमरांव। जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में भी राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों को जागरूक किया गया। इस क्रम में कोरानसराय मध्य विद्यालय में रोगी हितधारक मंच के माध्यम से स्कूली बच्चियों को डेंगू के लक्षणों की जानकारी दी गई।

मौके पर स्थानीय एचडब्ल्यूसी की सीएचओ पूर्णिमा सिंह ने बताया कि सभी लोगों को डेंगू के लक्षणों की भी जानकारी होनी आवश्यक है। डेंगू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, त्वचा पर चकत्ते, और खून बहने की समस्या शामिल हैं। यदि इन लक्षणों का अनुभव हो, तो तत्काल चिकित्सा सहायता लें। वहीं, कुछ सामान्य प्रबंधन से हम डेंगू से स्वयं का बचाव कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले घरों के आस-पास किसी भी जगह पर पानी न रुकने दें, जैसे गमले, कूलर, टायर इत्यादि। साथ ही, अपने घर और आस-पास की जगहों की सफाई करें। वहीं, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और मच्छरों से बचने के लिए मच्छर निरोधक का प्रयोग करें। साथ ही, शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर आपको काट न सकें। वहीं, इस दौरान सीएचओ ने स्कूली बच्चियों के बीच ओआरएस के पैकेट व आयरन की गोलियों का भी वितरण किया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य छोटे लाल, शिक्षकों में पूर्णानंद मिश्रा (पीएसपी सदस्य), धीरज पाठक, आशा कार्यकर्ता सुजाता देवी, सीएफएआर के डीसी आशीष पांडेय, एसपीए अमित सिंह व स्कूली छात्राएं मौजूद रही।

जिलाधिकारी ने की जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की समीक्षा

ई-केवाईसी को लेकर केसठ, चौगाईं व नावानगर एमओ को शोकॉज जारी

♦ ई-केवाईसी व आईरिश केवाईसी में दिक्कत आने पर कराएं फेशिलय केवाईसी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को समाहरणालय परिसर अवस्थित सभाकक्ष में की गई। इस दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 से आच्छादित लाभुकों के ई-केवाईसी की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जिले में अब तक 83.27 प्रतिशत लाभुकों का ई-केवाईसी किया गया है, जो राज्य में द्वितीय स्थान पर है।

केसठ, चौगाईं वनावानगर में ई-केवाईसी का प्रगति प्रतिशत कम होने के कारण केसठ, चौगाईं वं नावानगर के एमओ से शो-कॉज पूछने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया।

पीडीएस दुकानों पर कराया जा रहा है फेसियल ई-केवाईसी : बैठक में बताया गया कि जन वितरण प्रणाली दुकानों पर ई-पॉश मशीन के माध्यम से हाथ की अंगूलियों एवं आईरिश स्कैनर के माध्यम से ई-केवाईसी का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में बच्चों व वृद्धों के ई-केवाईसी में विभिन्न प्रकार की समस्याओं के संबंध में जानकारी दी जा रही है, जिससे ई-केवाईसी का कार्य प्रभावित हो रहा है। इस आलोक में विभाग द्वारा फेशियल ई-केवाईसी के माध्यम से भी ई-केवाईसी का कार्य प्रारंभ किया गया है। डीएम ने सभी एमओ को विभागीय निर्देश का अनुपालन करने का निर्देश दिया।

30 जून तक कराएं शत प्रतिशत ई-केवाईसी : विभाग द्वारा ई-केवाईसी कार्य के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 30 जून तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य पूरा कराने का निर्देश डीएम ने सभी एमओ को दिया। वहीं जिन लाभुकों का 30 जून तक ई-केवाईसी नहीं हो पाता है कि सूची तैयार करने एवं वैसे जन वितरण प्रणाली विक्रेता जिनके द्वारा उपलब्ध लाभुकों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी नहीं किया जाता हैं की जांच कर उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। वहीं, अगले महीने तक 89 प्रतिशत ई-केवाईसी का काम पूरा करने का लक्ष्य दिया गया। बक्सर व डुमरांव एसडीएम को निर्देश दिया गया कि अपने स्तर से शत प्रतिशत लाभुकों का ई-केवाईसी कराने के लिए दैनिक समीक्षा करेंगे।

राशन कार्ड वितरण के लिए ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में सभी एमओ व आपूर्ति निरीक्षकों को निर्देश दिया गया कि सबसे पुराने आवेदनों को सूचीबद्ध करते हुए यथाशीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।

महादलित टोलों में विशेष शिविर आयोजित कर बनाए राशन कार्ड : बैठक में डॉ. अम्बेडकर समग्र विकास शिविर में प्राप्त राशन कार्ड की समीक्षा की गई। सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी व आपूर्ति निरीक्षकों को यह निदेश दिया गया कि सभी महादलित टोलों में विशेष शिविर आयोजित करते हुए त्वरित गति से प्राप्त आवेदनों का निष्पादन कर पात्र लाभुकों का राशन कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया।

स्वच्छता का अलख जगाने के लिए नप द्वारा लगाया गया साइनेज, चिढ़ा रहा मुंह

डुमरांव। डुमरांव नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत लोगों को प्रेरित करने के लिए हजारों रूपए खर्च कर जगह-जगह साइनेज बोर्ड लगाए गए है, लेकिन यह साइनेज बोर्ड लोगों को स्वच्छता का संदेश देने के बजाय उल्टे कूड़ेदान में तब्दील हो गया है। जिससे हजारों खर्च के बाद ये साइनेज बोर्ड लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने के बजाए मुंह चिढ़ाते नजर आ रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण स्टेशन रोड स्थित महाराजा पेट्रोल पंप के समीप लगा साइनेज बोर्ड है। नगर परिषद द्वारा इसी हफ्ते वहां साइनेज बोर्ड लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस दिन से वहां साइनेज बोर्ड लगाया गया है उसी दिन से वहां कूड़ा फेंका जा रहा है। साइनेज बोर्ड पर लिखे चकाचक डुमरांव का स्लोगन तथा उसके नीचे फेंका गया कूड़ा इस बात को प्रमाणित कर रहा है कि नप क्षेत्र में सिर्फ स्लोगनों व साइनेज पर ही स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, धरातल पर स्थिति कुछ और ही बयां कर रही है।

आखिरकार जिंदगी की जंग हार गया धर्मदेव यादव, गांव में मचा कोहराम

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के पुराना बाजार निवासी धर्मदेव यादव की दर्दनाक मौत ने पूरे इलाके को शोक की लहर में डुबो दिया। बीते 13 मई को वैवाहिक कार्यक्रम से लौटते समय चौगाई मशरिया नहर के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी थी।

गंभीर रूप से घायल धर्मदेव को स्थानीय लोगों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उन्हें सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें पटना के निदान अस्पताल ले गए, जहां शुक्रवार को इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। ज़िंदगी और मौत के बीच छह दिन तक संघर्ष करते धर्मदेव ने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। जब मृतक का शव गांव पहुंचा, तो पूरा गांव शोक में डूब गया। हर आंख नम हो गई थी, हर चेहरा गमगीन हो गया था। चारों ओर चीत्कार गूंज रही थी। धर्मदेव की पत्नी अनीता की बिलखती आवाज ने सभी की आंखें नम कर दीं थी पड़ोसी की महिलाएं ढाढस बढ़ा रही थी।

पत्नी अनीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है : मृतक की पत्नी अनीता देवज की चीखें आसमान चीर रही थी। अब हम केकरा सहारे जिएब... उनके सवालों का कोई जवाब नहीं था। धर्मदेव अपनी पत्नी के एकमात्र सहारा थे। ओड़िया में ट्रक चलाकर परिवार की गाड़ी किसी तरह खींच रहे थे। सबसे बड़ा दुख यह है कि धर्मदेव की कोई संतान नहीं है, जिससे परिवार का भविष्य अंधेरे में डूब गया है।

शादी-विवाह में खिली फूलों की मंडी, गुलाब और रजनीगंधा की बढ़ी डिमांड

बढ़ गई मांग: जिले भर की शादियों में महक रहे बनारस व कोलकाता के फूल

केटी न्यूज/डुमरांव

विवाह में तेजी आने के बाद डुमरांव के मंडी में फूलों का बाजार खिल गया हैं। ऐसे में फूल के दुकानों पर ग्राहकों की आवक से रौनक बढ़ गयी हैं। मंडियों में गुलाब, गेंदे और रजनीगंधा फूलों के मांगों में इजाफा हुआ हैं। फूलों से बनी दुल्हन की चादर व जयमाल के लिए मांग बढ़ गइ हैं।

कारीगर शादी के स्टेज से लेकर दूल्हे की गाड़ी को सजाने के लिए पहले ही बुकिंग कर रहे हैं। फूल दुकानदार बब्लू सैनी, राजेश कुमार, विनोद सैनी ने बताया कि 10 से 15 हजार तक मे जयमाल के स्टेज और दूल्हे राजा के गाड़ी की सजावट की जाती हैं। फूलों को बनारस व कलकत्ता से मंगाया जाता हैं। दुल्हन को स्टेज पर ले जाने के लिए फूलों की चादर बनाने में पांच से सात हजार रुपये की लागत आती हैं। इन दिनों लग्न में लड़की पक्ष वाले हल्दी और मेहंदी पर भी फूलों की सजावट कराते हैं। इसका भी मांग बढा हैं। इसकी कीमत अलग से तय की जाती हैं। इधर दुल्हन की साड़ी और दूल्हे के शेरवानी से मैचिंग फूलों की सजावट व जयमाल स्टेज सजावट की मांग बढ़ी हैं। जिसमें 12 से 15 हजार रुपये का खर्च आता हैं।

वीडियोग्राफी का बढा चलन : लग्न में वर और वधू पक्ष अपने शादी के कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए वीडियोग्राफी कराने की परंपरा बढ़ी हैं। हालांकि इस पर भी महंगाई का असर पड़ा है। वीडियो कैमरा चलाने वाले लोग शादी के हर रस्म व रीति-रिवाज को कैमरे में कैद करने के लिए अधिक राशि की मांग करते है। कैमरा चलाने वाले वीके पांडेय, रमेश कुमार ने बताया कि सारे वैवाहिक कार्यक्रमों को कवरेज करने के लिए 15 से 18 हजार रुपये तक के खर्च वहन करना पड़ता हैं।

ब्यूटी पार्लर में होता हैं अधिक खर्च : दुल्हन को सजाने के लिए ब्यूटी पार्लर संचालकों ने 15 से 20 हजार तक का पैकेज बनाया हैं। ब्यूटी पार्लर संचालिका सोनी और राधा ने बताया कि दुल्हन को सजाने में करीब दो घंटे से अधिक का समय देना पड़ता हैं। कॉस्मेटिक और अन्य सामानों के महंगे होने से पैकेज के दामों में इजाफा किया गया हैं। कुछ ग्राहकों के घरों पर भी जाकर सजाने-संवारने का काम होता हैं। जिसका अलग से पैकेज

भोजपुर जिले के अगिआंव थाना क्षेत्र के अमेहता गांव में घटना हुई बड़ी वारदात

घर में महाभारत... जमीन के लिए चचेरे भाई की पीट-पीटकर हत्या

- 17 बीघा जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच 2009 से ही चल रहा था विवाद
- जख्मी को प्राथमिक उपचार के बाद पीरो अनुमंडलीय अस्पताल कराया भर्ती, गंभीर स्थिति सदर अस्पताल किया गया रेफर

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में जमीन विवाद में एक ही परिवार के लोग आपस में भिड़ गए। युवक ने चचेरे भाई पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। सिर से अधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रभा शंकर पांडेय(42) के तौर पर हुई है। गांव में दूध-दही बेचने का काम करता था। घटना अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अमेहता गांव की है।मृतक की पत्नी सुघर देनी ने बताया कि 2009 से पाटीदारों से 17 बीघा जमीन को लेकर केस चल रहा है। अक्सर बच्चों के साथ गाली-गलौज करते थे। विरोध करने पर पति के साथ मारपीट भी करते थे। जान से मारने की धमकी देते थे। मेरे पति शुक्रवार को घर के बाहर खड़े थे। इस दौरान पाटीदारों ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। सिर पर बेहरमी से मारा। खून से लथपथ जमीन पर गिरकर छटपटाने लगे। पहले गांव के ही एक डॉक्टर के पास लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद पीरो अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गए। जहां से आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया था, लेकिन पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई।

जमीन विवाद में हिंसक झड़प :मौत का कारण सिर में गंभीर चोट लगना बताया गया है। शुरुआत में प्रभा शंकर पांडेय को परिजन पीरो अस्पताल लेकर गए। डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति में घायल को आरा सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्याः थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता ने बताया कि पहले भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो चुकी है. इस सिलसिले में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए हैं। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम छापेमारी कर रही है। मृतक के परिवार में पत्नी और पांच बच्चे हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जमीन विवाद में हत्या से हड़कंप मचा हुआ है। प्रभा शंकर पांडेय की पत्नी सुघर देवी के मुताबिक पटीदारों की तरफ से लगातार धमकी मिल रही थी। उन्होंने बताया कि पति को पहले भी निशाना बनाया गया था। आज घर के बाहर अचानक पाटीदारों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सिर पर चोट लगने के कारण पति गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन गंभीर अवस्था में पति को अस्पताल ले जाया गया। पीरो से आरा सदर अस्पताल ले जाने के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है : थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता ने बताया कि जमीन को लेकर पहले भी दोनों पक्ष के बीच मारपीट हुई थी। दोनों ओर से आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गांव पहुंची थी, लेकिन कोई नहीं मिला। सभी फरार हो गए। आवेदन के आधार पर जांच की जा रही है।

बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री के आगमन से पहले चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

- नगर के मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को अतिक्रमण मुक्त किया गया
- अतिक्रमण हटाने से पूर्व दुकानदारों को दिया गया था नोटिस

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर बिक्रमगंज नगर में प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं । शुक्रवार को नगर परिषद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर विशेष अभियान चलाया गया । जिसमें नगर के मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को अतिक्रमण मुक्त किया गया । इस अभियान में अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह की अगुवाई में प्रशासनिक टीम ने फुटपाथ,सड़क किनारे अतिक्रमण कर बनाए गए ठेले, खोमचे और दुकान के आगे बने तंबुओं को हटाया । नगर परिषद बिक्रमगंज के ईओ जमाल अख्तर अंसारी, बीडीओ अमित प्रताप सिंह, सीओ अलका कुमारी, स्थानीय थाना की पुलिस टीम सहित अन्य पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने पहले स्थानीय दुकानदारों और व्यवसायियों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील की, साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों से भी पूरे नगर में प्रचार प्रसार कराया गया, लेकिन, चेतावनी के बाद भी कई स्थानों पर जब कोई पहल नहीं हुई तो नगर परिषद कर्मियों ने जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमण हटाया । इस अभियान से नगर में अफरातफरी का माहौल रहा, लेकिन आम लोगों ने इसे प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी और नगर की छवि सुधारने की दिशा में सराहनीय कदम बताया । प्रशासन का कहना है कि प्रधानमंत्री के आगमन तक पूरे नगर क्षेत्र को व्यवस्थित और साफ-सुथरा बनाया जाएगा,ताकि किसी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था न हो। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री का यह दौरा कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण से जुड़ा हो सकता है, जिसे लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह चौकस है।

पूर्व विधायक ने रेलमंत्री को ट्रेनों के ठहराव के लिए मांग पत्र सौंपा

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज-सासाराम रेल खंड पर बिक्रमगंज और संझौली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर पूर्व विधायक राजेश्वर राज दिल्ली में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकत कर मांग की। काराकाट विधानसभा क्षेत्र के संझौली रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या अप 13250, डाउन 13249 पटना-भभुआं इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या अप 18639, डाउन 18640 आरा-राँची एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की मांग से संबंधित एक ज्ञापन दिया गया है। उन्होंने बताया कि मंत्री ने दोनों ट्रेनों के ठहराव के लिए सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया है।

रोजगार देने के मामले में ठग गिरोह के मास्टर माइंड समेत छह साइबर फ्रॉड गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर साइबर पुलिस ने जॉब देने के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले अंतरजिला गिरोह का खुलासा किया है। गिरोह के मास्टर माइंड सहित छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। इनमें चार मधुबनी और दो दरभंगा के रहने वाले हैं। इनके पास से 27 एटीएम कार्ड, पांच पासबुक, दो चेक बुक, दो लैपटॉप, 14 सिम कार्ड और नौ मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार साइबर अपराधियों में दरभंगा के मनीगाछी थाना क्षेत्र के मड़वाघाट बलुआ निवासी मो. सुल्तान, मो. फैजल, मधुबनी जिले के अंदराठाड़ी थाना क्षेत्र के गिदरगंज गांव निवासी दस्तगीर, मो. शहनवाज, मो. तारिक अनवर और जमैला बाजार निवासी मो. अनस शामिल हैं। मो. सुल्तान गिरोह का मुखिया है।

सभी को मधुबनी और दरभंगा से गिरफ्तार किया गया है। साइबर डीएसपी अबू सैफी मुर्तजा की ओर से शुक्रवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शहर के नवादा चौक मोहल्ला निवासी युवती सरुचि कुमारी की ओर से क्विकर डॉट कॉम साइट पर जॉब के लिए आवेदन किया गया था। इसके बाद उससे जीएसटी सहित अन्य प्रकिया पूरी करने के नाम पर 29 हजार आठ सौ रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली गयी थी। इसे लेकर युवती की ओर ले 12 मई को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसे गंभीरता से लेते हुए मामले की छानबीन के लिए उनके नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी। टीम क वैज्ञानिक व तकनीकी विश्लेषण में मधुबनी के कुछ साइबर अपराधियों का नाम आया। उस आधार पर टीम की ओर से मधुबनी में छापेमारी कर चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सभी ने ठगी की बात स्वीकार की और पूछताछ में बताया कि उनकी एक टीम दरभंगा में भी काम करती है। उस आधार पर दरभंगा में भी छापेमारी कर दो साइबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों जगहों से लैपटॉप, एटीएम कार्ड, मोबाइल, बैंक पासबुक और चेकबुक अन्य सामान बरामद किए गए। डीएसपी ने बताया कि अब तक के अनुसंधान और पूछताछ में यह बात सामने आयी है कि मधुबनी और दरभंगा जिलों में ही इस गिरोह का संचालन किया जा रहा है। हालांकि पूरे गिरोह के बारे में पूरी जानकारी ली जा रही है। छापेमारी साइबर डीएसपी के नेतृत्व में गठित टीम में इंस्पेक्टर संजय कुमार पासी और दारोगा मो. अली सहित अन्य पुलिस कर्मी और टेक्निकल एक्सपर्ट शामिल थे। विदित हो कि पिछले कुछ समय से नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। कई युवाओं की जिन्दगी खराब हो चुकी है।

शनिवार को 33 केवी नोनहर व संझौली का विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के अंतर्गत 33 केवी नोनहर व संझौली का आरडीएसएस परियोजना के तहत कृषि कार्य हेतु डिटिकेटेड फीडर का निर्माण किया जा रहा है। कार्य को सुरक्षित और कुशलता पूर्वक पूरा करने एवं मरम्मति को लेकर 17 मई को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। एसडीओ बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की उक्त अवधि मे विद्युत शक्ति उपकेंद्र बंद रहेगा।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का होगा अनावरण

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

दिनारा विधानसभा क्षेत्र में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की आदमकद मूर्ति के अनावरण की तैयारी जोरों शोर से चल रही है। इस संबंध में दिनारा विधानसभा के राजद के संभावित चर्चित प्रत्याशी धर्मेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि उनकी आदमकद प्रतिमा को लाकर कार्य रूप दिया जा रहा है। शीघ्र ही इसका अनावरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भारत की अखंडता और एकता को बचाने वाले ऐसे महापुरुष के नाम की चर्चा तो की जाती है और कई लोग पटेल जयंती भी मनाते हैं, लेकिन इनके मूर्ति अनावरण पर आज तक कहीं किसी का ध्यान नहीं गया, जबकि उनकी जयंती और उन्हें स्मरण का सही कार्य रूप देने का मैंने प्रयास किया है।

मालूम हो कि सरदार पटेल की आदमकद मूर्ति प्रखंड क्षेत्र दावथ के नगर पंचायत कोआथ में स्थापित की जा रही है। इसके विजिट में कई नेता और विधायक पिछले दिनों आ चुके हैं। इस मूर्ति को बनाने में स्थानीय लोगों ने अपनी पूरा योगदान किया था। सभी के प्रयास से यह बना है।

बिक्रमगंज में मीटर बाईपास करने के आरोप में 11 पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज क्षेत्र अंतर्गत बिलिंग गुणवत्ता व स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का जांच करने हेतु एक जाँच दल का गठन किया गया। जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की परिसर में लगे स्मार्ट प्रीपेड मीटर व नॉर्मल मीटर के सर्विस तार में कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी जिसको लेकर ग्यारह लोगों पर जुमार्ना के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है।

दर्ज प्राथमिकी मे नगर परिषद बिक्रमगंज के सिकरिया निवासी दीपक कुमार पर 59005, अखिलेश कुमार पर 15046, प्रखंड संझौली के सिअरुआ निवासी प्राण राम पर 16040, लीलावती देवी पर 12333, काशीराम राम पर 13444, कमल किशोर सिंह पर 25523, प्रखंड दावथ के हथडीहा मे लालवती देवी पर 20217, सोनापति देवी पर 12826 एवं प्रखंड दिनारा के सैसड निवासी मनराज गोंड पर 17954, रामाधार गोंड पर 8556 व धनराज गोंड पर 44194 रुपये जुर्माना लगायी गयी है। उपरोक्त सभी उपभोक्ताओं को मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति घरेलु, व्यवसायिक, ई-रिक्शा चार्ज करते है।

रालोमो के रैली को विपक्ष ने बताया मुद्दा से भटकाने की साजिश

सासाराम। रोहतास जिले के बिक्रमगंज में 25 मई को आर एल एम एल के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के परिसीमन को लेकर होने वाली रैली पर राजद के रोहतास इकाई ने टिप्पणी किया है। रोहतास जिला राजद युवा जिलाध्यक्ष शिवन्त कुशवाहा के नेतृत्व में राज्य परिषद् सदस्य सर्वजीत सिंह खालसा तथा इमरान अख्तर ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा ने मंहगाई बेरोजगारी पलायन नौकरी भ्रष्टाचार पर बात नहीं करेंगे। वह परिसीमन रैली के बहाने चुनावी वर्ष में मुद्दा से भटकाने के लिए यह कार्य कर रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय जातीय जनगणना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा पर की दवा को खारिज करते हुए राजद ने कहा कि विपक्ष के दबाव में केंद्र सरकार ने यह हामी भरी है।

विधायक, पूर्व सैनिक, राजनीतिक नेता, कार्यकर्ता के अलावा यात्रा में शामिल हुए आम लोग

राष्ट्रवादी मंच के बैनर तले देशभक्तों ने निकाला तिरंगा शौर्य यात्रा, किया आरा शहर का भ्रमण

केटी न्यूज/आरा

भारतीय जनता पार्टी भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे राष्ट्रवादी मंच भोजपुर के बैनर तले सिंदूर आंपरेशन के सफलता पर वीर भारतीय सेना के सम्मान मे भव्य तिरंगा शौर्य यात्रा निकाली गई। तिरंगा शौर्य यात्रा का शुभारंभ आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह,बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह,भाजपा अध्यक्ष दुर्गा राज,कार्यक्रम संयोजक रामदिनेश यादव,भारतीय सेना के पूर्व सैनिक, विभिन्न राजनीतिक दलो के नेता,कार्यकर्ता, शहर के गणमान्य लोग ,महिला और आम जनता की उपस्थिति से स्थानीय रमना मैदान स्थित महावीर मंदिर से हुआ। महावीर मंदिर परिसर से यात्रा का काफिला आगे बढते हुए शहीद भवन,रेडक्रॉस, जेपी स्मारक,अंबेडकर चौक होते हुए सैनिक स्मारक पर समाप्त हुआ। यात्रा के दौरान लोगों ने भारत माता की जय, वंदेमातरम, वीर सैनिक अमर रहे,भारतीय सेना जिंदाबाद आदि गगनचुंबी नारे लगे। यात्रा के दौरान युवा, वृद्ध, महिला, बच्चों मे देश और देश के वीर सेना के लिए गजब का उत्साह देखा गया। काफिला में सभी के हाथ में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से फहर रहा था और सभी लोगो के मुंह से अपने देश और वीर सैनिकों के प्रति सम्मान दिख रहा था।उक्त अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सहित बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह,कार्यक्रम संयोजक रामदिनेश यादव ने कहा कि आंपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेधा के सम्मान मे तिरंगा शौर्य यात्रा निकाली गई है। भारत की जनता की एकता ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व और भारतीय सेना की शोर्य,साहस और वीरता का प्रतिक है आंपरेशन सिंदूर। जिस प्रकार भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर उनके आतंकवादी संगठनो और सैन्य संगठनों को तबाह किया गया वह ऐतिहासिक और शौर्य की कहानी है।अभी आँपरेशन सिंदूर समाप्त नही हुआ है।जब तक पाकिस्तान मे आतंकवाद पनपेगे तब तक आँपरेशन सिंदूर चलता रहेगा। पाकिस्तान एक भी गलती करे तो भारतीय सेना उसको नेस्तनाबूद करने के लिए तैयार है।

THE AMITY SCHOOL

School - U DISE Code No. 10301709511

शाहाबाद का गौरव

Std. - L.K.G. TO 10+2

Full Fledged English Medium, Co-Educational, Based on C.B.S.E., Curriculum, New Delhi

NH.319, SONVARSHA (BUXAR)

Contact No.: 7485041132, 7739060430, 7762051256, 9931732561

Admission Open 2025-26

"निजू सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम" के तहत 12 टॉपर्स छात्रों का 50% स्कूल फीस मुफ्त

Best Teaching Faculties In Bihar

"हरेन्द्र सिंह, शांति सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम फॉर आर्फन" के तहत 06 अनाथ छात्रों का स्कूल फीस बिल्कुल मुफ्त

1. English Spoken Class
2. Smart Class
3. Computer Lab
4. Science Lab
5. Library
6. Maths Lab
7. CCTV Camera
8. Dance, Song & Yoga Special Classes
9. All Subjects Projects Exhibition
10. School Transport for All Routes
11. Outdoor and indoor Sports Facility
12. Inter School Competition.

ADMISSION FREE
RE ADMISSION FREE

The School Requires trained, qualified and experienced Teachers in the subjects Science, Maths, English,Social Science, Hindi, Computer Science, Painting, Music,

Minimum Qualification

Fooding & Lodging Free For Teachers

TGT- Bachelor Degree With B.Ed
PRT- Basic Trained with Bachelor Degree and T.E.T.
Salary- As per C.B.S.E.Norms (Smart Salary in Bihar)
Interview 25.03.2025 to 31.03.2025 at 10:00 am (Venue- In School Premises)

Amrendra Rajesh
Director
The Amity School

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा व सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने संयुक्त रूप से की बैठक

योजनाओं का लाभ किसानों तक हरहाल पहुंचाएं, नहीं होगी कार्रवाई: विजय सिन्हा

- बीज के लिए किसी प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है इसके लिए इच्छुक पैक्स ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं
- पैक्सों को मिट्टी जांच करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने तथा मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड निर्गत करने हेतु अधिकृत करने पर भी सहमति बनी

केटी न्यूज/पटना

राजधानी के कृषि भवन में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा तथा सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने संयुक्त रूप से बैठक की। बैठक में सहकारिता विभाग तथा कृषि विभाग की योजनाओं का समन्वय कर राज्य के किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कई बिन्दुओं पर महत्वपूर्ण चर्चा की गयी। दोनों विभागों के सामान्य योजनाओं को एकीकृत रूप से संचालित करते हुए सहकारी समितियों की भूमिका को बढ़ाने पर विमर्श किया गया।बीज एवं उर्वरक के वितरण की स्थिति पर विमर्श करते हुए पैक्स की भूमिका में आयी कमी पर चिंता व्यक्त की गयी। उर्वरक वितरण हेतु पैक्सों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात अनुज्ञप्ति प्रदान की जाती है किन्तु वर्तमान में प्रशिक्षण की कार्रवाई धीमी हो जाने के कारण कई पैक्सों को अनुज्ञप्ति प्राप्त होने में समस्या हो रही है। माननीय उपमुख्यमंत्री ने पूरे वर्ष का प्रशिक्षण कैलेण्डर निर्गत करने का आश्वासन दिया गया जिसमें इच्छुक पैक्स प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिसके पश्चात कैम्प लगाकर समितियों को अनुज्ञप्ति प्रदान किया जाएगा।

बीज के लिए किसी प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है इसके लिए इच्छुक पैक्स ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर अनुज्ञप्ति प्रदान किया जाएगा। माननीय मंत्री, सहकारिता विभाग द्वारा प्रखण्ड स्तरीय सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों के किसानों की सूची कृषि विभाग को उपलब्ध कराते हुए उन्हें बीज एवं पौधा वितरण में प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया।राज्य में निबंधित 144 प्रखण्ड स्तरीय मधु उत्पादक एवं विपणन सहकारी समितियों को मधुमक्खी पालन हेतु बक्सा वितरण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था पर विमर्श करते हुए उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री द्वारा उन समितियों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया।

इस निर्णय से शहद उत्पादक सहयोग समितियों को ससमय सुगमतापूर्वक बक्सा मिल सकेगी। पैक्सों को मिट्टी जांच करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने तथा मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड निर्गत करने हेतु अधिकृत करने पर भी सहमति दशार्यी गयी। कृषि विभाग द्वारा किसानों को अपने सब्जी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिए पचास प्रतिशत अनुदान पर रेफ्रिजेरेटेड वैन उपलब्ध करायी जाती है। इस योजना के अंतर्गत इच्छुक प्रखण्ड स्तरीय सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि इस बात की लगातार निगरानी रखी जाएगी। क्योंकि लगातार यह देखने को मिल रहा है कि किसानों सब्जी की खेती कर रहे है। परंतु उनका उत्पाद बाजार तक नहीं पहुंच पा रहा है। कई बार किसानों की फसल खेतों में खराब हो जा रहा है।

उन्हें अपने उत्पाद की अच्छी कीमत नहीं मिल पा रही है। कृषि सचिव द्वारा यह अनुरोध किया गया कि सहकारी बैंको द्वारा अधिक से अधिक किसानों को के.सी.सी. ऋण प्रदान किया जाय। किसानों के हित में यह आवश्यक है। सचिव, सहकारिता विभाग द्वारा इसपर सहमति जतायी गयी। बैठक में विजय कुमार सिन्हा, उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, मंत्री, सहकारिता विभाग, संजय अग्रवाल, सचिव, कृषि विभाग,धर्मेन्द्र सिंह, सचिव, सहकारिता विभाग, इनायत खान, निबंधक, सहयोग समितियों, ललन कुमार शर्मा, संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियां सहित दोनों विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शॉपिंग मॉल में बदमाशों ने 4 घंटे में की दो बार फायरिंग

केटी न्यूज/गोपागंज

गोपालगंज में नगर थाना क्षेत्र के आजाद नगर में गुरुवार रात एक शॉपिंग मॉल पर दो बार फायरिंग की घटना सामने आई है। जहां मॉल के संचालक कमरे आजम उर्फ सोनू की दुकान पर बाइक सवार दो बदमाशों ने फायरिंग कर दी।

बताया जा रहा है कि घटना के कुछ देर बाद बदमाशों ने दोबारा फायरिंग की गई।कमरे आजम सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के फाजिल टोला के रहने वाले हैं।

घटना के समय वह अपनी दुकान पर मौजूद थे। फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस को मौके से कोई खोखा या अन्य सामान नहीं मिला है।नगर थानाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। पीड़ित के गांव में जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी में मुकदमा दर्ज कराने की बातचीत चल रही थी।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।फायरिंग करने वाले दोनों बदमाशों की तस्वीरें कैमरे में कैद हो गई हैं। पुलिस सीवान और गोपालगंज के संदिग्ध इलाकों में छापेमारी कर अपराधियों की तलाश कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बचपन का प्यार: 60 साल के वकील ने डॉक्टर की पत्नी को भगाया

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। घटना केहाट थाना क्षेत्र के प्रभात कॉलोनी डॉनर चौक की है, जहां एक 60 वर्षीय वकील 50 वर्षीय डॉक्टर की पत्नी को लेकर फरार हो गया। पीड़ित डॉक्टर ने पत्नी के लापता होने की सूचना थाने में दी, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। आखिरकार पुलिस ने कार्रवाई कर दोनों को सहरसा जिले से बरामद कर लिया।

बचपन के प्यार ने लिया गंभीर मोड़ : जांच में जो तथ्य सामने आए, वे हैरान करने वाले हैं। वकील संजीव कुमार, जो सहरसा जिले के प्रोफेसर कॉलोनी गंगाजला का निवासी है और डॉक्टर की पत्नी बचपन के क्लास फ्रेंड थे। दोनों के बीच वर्षों से प्रेम संबंध था, जो समय के साथ

छिपकर जारी रहा। वकील संजीव ने खुद पुलिस को दिए बयान में स्वीकार किया कि हम दोनों बचपन से एक-दूसरे से प्यार करते थे। लेकिन परिवारवालों ने हमारी शादी नहीं होने दी और उसे डॉक्टर से विवाह करवा दिया गया। इसके बावजूद हमारा संपर्क बना रहा।

गायब हुई पत्नी, परेशान पति ने दी पुलिस को सूचना : पीड़ित डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी 11 मई को दोपहर एक बजे के आसपास बैग और पर्स लेकर घर से निकली, लेकिन रात आठ बजे तक घर नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कोई पता नहीं चला, तो उन्होंने केहाट थाने में लिखित आवेदन देकर अपहरण का मामला दर्ज कराया।डॉक्टर ने पुलिस को यह भी बताया कि उनकी पत्नी छिपकर वकील संजीव कुमार से लगातार फोन पर संपर्क में रहती थी। कई बार जब वह क्लिनिक में रहते थे, तो उनकी पत्नी चोरी-छिपे संजीव से मुलाकात करती थी। उन्होंने संजीव कुमार का मोबाइल नंबर भी पुलिस को दिया।

सहरसा से दोनों को किया गया बरामद : केहाट थाना प्रभारी उदय कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान दोनों को सहरसा से बरामद किया गया। डॉक्टर की पत्नी का न्यायालय में धारा 183 और 184 के तहत बयान दर्ज कराया जा रहा है। आगे की कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर निर्भर करेगी।

यूपी से पिकअप में भूसा भर लाई जा रही थी शराब, कैमूर पुलिस ने पकड़ा

- पुलिस ने 25 लाख रुपये मूल्य की देशी के साथ विदेशी शराब व दो तस्करों को भी किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/कैमूर

बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शराब तस्कर एक बड़ी खेप की डिलीवरी की तैयारी में थे, लेकिन कैमूर पुलिस ने समय रहते बड़ी कार्रवाई कर इस साजिश को विफल कर दिया। पुलिस ने 25 लाख रुपये मूल्य की देशी और विदेशी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल हो रही एक पिकअप भी जब्त की गई है।

उत्तर प्रदेश से रोहतास में होनी थी शराब की डिलीवरी:कैमूर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप गाड़ी, जिसमें अवैध शराब लदी हुई है, चैनपुर थाना क्षेत्र से भभुआ की ओर जा रहा है। इस इनपुट पर तुरंत एक्शन लेते हुए भभुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिव शंकर कुमार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। चैनपुर और भभुआ थाना की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से गाड़ी का पीछा किया।

सोनहन थाना क्षेत्र में हुई घेराबंदी :गाड़ी का ड्राइवर पुलिस को देखकर तेजी से भागने लगा, लेकिन सोनहन थाना की पुलिस ने बिशनपुर गांव के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखकर चालक भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे सशस्त्र बलों की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। गाड़ी की तलाशी के दौरान भूसे की बोरियों के नीचे छिपाकर रखे गए कुल 1665 लीटर शराब बरामद की गई, जिसमें 900 लीटर देशी और 765 लीटर विदेशी शराब शामिल थी।बरामद शराब की कुल बाजार कीमत 24 से 25 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा एक पिकअप गाड़ी (फर्जी रजिस्ट्रेशन प्लेट के साथ) और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। इस पूरे मामले की जानकारी कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला ने प्रेसवार्ता के जरिए दी। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रोहतास जिले के विक्रमगंज थाना क्षेत्र के घोसिया खुर्द गांव निवासी जय विकास चौधरी और कदनाई गांव निवासी अटल बिहारी पांडेय के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के बनारस से शराब लेकर रोहतास के शिवसागर क्षेत्र में डिलीवरी देने जा रहे थे।

भारत सरकार तोड़े तुर्किये से सभी संबंध

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर भारत सरकार से एक बड़ी मांग कर तुर्किये के साथ सभी प्रकार के राजनयिक और व्यापारिक संबंध खत्म करने की अपील की। इस दौरान समुदाय के लोगों ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने वाले तुर्किये के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत का हर मुसलमान अपने देश के साथ मजबूती से खड़ा है।इस विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि पाकिस्तान की खुलकर मदद कर रहे तुर्किये जैसे देश भारत के प्रत्यक्ष या परोक्ष शत्रु हैं। ऐसे में भारत सरकार को चाहिए कि वह न केवल तुर्किये से अपने राजदूत को वापस बुलाए, बल्कि हर प्रकार का आर्थिक, व्यापारिक और रणनीतिक रिश्ता तत्काल समाप्त करे। लोगों का कहना है कि जिन देशों ने भारत का विरोध किया है जैसे कि तुर्किये, अजरबैजान और चीन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाना चाहिए। इमाम तहशीन रजा ने इस मौके पर कहा कि इस्लाम में अपने देश की अहमियत सर्वोपरि है।

बिहार की सत्ता में आने के लिए बसपा अब पूरी तरह से तैयार है, चुनाव में दिखाई अपना दम

बिना बसपा के बिहार में नहीं बनेगी किसी की सरकार

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी ने कैमूर जिले में अपनी राजनीतिक मौजूदगी को मजबूती से दर्ज कराया है। संगठन की समीक्षा बैठक के बहाने पार्टी ने न सिर्फ अपने कार्यकताओं को एकजुट किया, बल्कि आने वाले चुनावों में दमदारी से उतरने का एलान भी किया। इस बैठक में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद और बसपा के वरिष्ठ नेता रामजी प्रसाद गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने मंच से साफ कहा कि बिहार में सत्ता की चाबी बसपा के हाथ में होगी।

सेना को बताया धर्मनिरपेक्ष संस्था : रामजी गौतम ने हाल ही में समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव द्वारा सेना की अधिकारी व्योमिका सिंह पर की गई जातिगत टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सेना में चाहे अधिकारी हो या सैनिक, उनका कोई धर्म और जाति नहीं होता। उनका धर्म और कर्म केवल देश और नागरिकों की सुरक्षा करना होता है। जो लोग सेना के जवानों को जाति-धर्म के चश्मे से देखते हैं, उनकी सोच बेहद संकीर्ण है। केंद्र और राज्य सरकार पर भी साधा निशाना रामजी गौतम ने केंद्र और राज्य की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश के किसी भी हिस्से में जाने से नहीं रोका जाता, लेकिन जब कोई आयोजन होता है तो उसकी अनुमति और सूचना पहले से दी जाती है। अगर इसी प्रक्रिया में बिहार में किसी आयोजन को लेकर कोई रोका-टोकी हुई है तो यह गलत है।

बसपा अकेले लड़ेगी चुनाव, किसी गठबंधन की संभावना नहीं: राज्यसभा सांसद ने स्पष्ट किया कि बसपा आगामी विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी और पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि बिना बसपा के किसी की सरकार नहीं बन पाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी न तो किसी गठबंधन में जाएगी और न ही किसी पार्टी की पिछलग्गू बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी करते पकड़े गए 70 पर एफआइआर

धनबाद, एजेंसी। बिजली चोरी के खिलाफ जेबीवीएनएल की ओर से चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को 646 जगहों पर छापेमारी की गयी ।इस दौरान बिजली चोरी के आरोप में 70 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया ।उन पर 13 लाख 89 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है ।जेबीवीएनएल धनबाद सर्किल के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि धनबाद सर्किल में 354 जगह छापेमारी की गयी ।इसमें 31 लोगों को पकड़ा गया और सात लाख 52 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया ।वहीं चास सर्किल में 293 स्थानों पर छापेमारी की गयी ।इसमें 39 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए छह लाख 37 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया।

देवघर में अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई : युवक की मौके पर मौत

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले के मधुपुर अनुमंडल में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बुढ़ई थाना क्षेत्र के जगदीशपुर के पास धावाटांड़ में एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बिहार के बटिया थाना क्षेत्र के घोंघा गांव निवासी दीपक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर बुढ़ई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक से मिले कागजात से पता चला कि वह जामताड़ा के मिहिजाम की है। पुलिस के मुताबिक, दीपक मधुपुर से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान धावाटांड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। पेड़ से टकराने के कारण सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई ।थाना प्रभारी अशोक कुमार ने दल-बल के साथ शव को कब्जे में लेकर थाने ले आए। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। परिजन थाने पहुंच गए हैं। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थानेदार ने एसडीपीओ को थाना में घुसने से रोका, एसपी ने किया निलंबित

पलामू, एजेंसी। एसडीपीओ को थाना में घुसने से रोका गया है ।थाना के गेट को बंद कर दिया गया था ताकि एसडीपीओ थाना में अंदर नहीं घुस पाए ।इस पूरे मामले में पलामू एसपी ने कार्रवाई करते हुए थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है ।दरअसल पूरा मामला पलामू के रेहला थाना क्षेत्र से जुड़ा है ।बिश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी रात्रि गश्ती के दौरान अवैध रूप से बालू का उठाव करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा था ।एसडीपीओ ट्रैक्टर को लेकर रेहला थाना गए लेकिन थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था ।एसडीपीओ ने तत्काल थाना प्रभारी को कॉल किया लेकिन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया गया ।इस दौरान एसडीपीओ ने मौके पर तैनात ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ की। इससे पहले ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ में एसडीपीओ को जानकारी मिली कि थानेदार के आदेश पर गेट में ताला लगाया गया है ।एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने पूरे मामले में एसपी रीष्मा रमेशन को एक रिपोर्ट बनाकर सौंपा थी ।एसपी रीष्मा रमेशन ने मामले में कार्रवाई करते हुए रेहला थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया ।मेदिनीनगर टाउन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर गुलशन बिरुआ को रेहला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।

अधिवक्ताओं ने लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

बोकारो, एजेंसी। झारखंड के बोकारो जिला में अधिवक्ताओं ने लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली ।जानकारी के अनुसार, अधिवक्ताओं के एक समूह ने गुरूवार को कैंप दो स्थित बोकारो बार परिसर से तिरंगा यात्रा निकाली ।तिरंगा यात्रा कैंप दो का भ्रमण करते हुए पुन- बार परिसर पहुंची ।यह यात्रा लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के सम्मान में निकाली गयी ।वंदे मातरम्, भारत एकता जिंदाबाद, भारत माता की जयज सहित अन्य देशभक्ति नारों से बार परिसर गूंज उठा. बता दें कि इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हर्ष जताया ।साथ ही देश की सेना पर गर्व किया ।इस दौरान बार परिसर का माहौल देश भक्ति से भरा दिखा ।बार परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने कहा कि हमारे देश की सेना हमारा गर्व है।

पेसा एक्ट को लेकर सरकार का बड़ा एलान

सभी की सहमति और सुझाव के बाद होगा लागू

रांची, एजेंसी। राज्य के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पंचायतों को विशेष अधिकार देने वाली पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरियाज एक्ट) नियमावली सभी की सहमति से ही लागू की जाएगी। नियमावली त्रुटि रहित तथा ठोस होगी, ताकि बाद में उसपर कोई विवाद न हो। इसमें आदिवासी समुदाय के हितों को अनदेखा नहीं किया जाएगा तथा परंपरागत स्थानीय स्वशासन व्यवस्था के अधिकार भी बरकरार रहेंगे।

पेसा नियमावली के प्रविधानों को लागू करनेवाले प्रमुख विभागों के मंत्रियों ने यह आश्वासन मंगलवार को होटल रेडिसन में आयोजित %पेसा विचार गोष्ठी कार्यशाला% में आदिवासी बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य हितधारकों को दिया। मंत्रियों ने कहा कि इस कार्यशाला में जो भी सुझाव आए हैं, सरकार उन्हें लागू करने के लिए पेसा नियमावली के ड्राफ्ट में एक बार फिर संशोधन करेगी।

इससे पहले, कार्यशाला में आदिवासी बुद्धिजीवियों ने राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा नियमावली के संशोधित ड्राफ्ट के कई प्रविधानों पर भी आपत्तियां दर्ज कीं। इस क्रम में उन्होंने कई सुझाव भी दिए। कहा गया कि पेसा नियमावली में झारखंड पंचायती राज अधिनियम 2011 के प्रविधानों को थोपा नहीं जाए।

खासकर परंपरागत स्वशासन व्यवस्था के अधिकारों का किसी भी हाल में हनन न हो। पेसा कानून लागू होने के इतने समय बाद भी नियमावली लागू नहीं होने पर भी सवाल उठाए। आठ समूहों के माध्यम से आए सुझावों एवं आपत्तियों को सुनने के बाद सभी मंत्रियों ने आश्वासन दिया कि पेसा एक्ट की भावना से खिलवाड़ नहीं होगा। परंपरागत स्वशासन व्यवस्था के साथ किसी तरह का छेड़छाड़ भी नहीं होगा।

आदिवासी समुदाय से भी लें राय- के राजू : इससे पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के पूर्व अपर सचिव के राजू ने स्पष्ट रूप से सुझाव दिया कि राज्य सरकार पेसा नियमावली किसी हड़बड़ी में कैबिनेट में न लाए। सरकार गांवों में जाकर उन आदिवासी समुदाय से भी राय ले, जिनके लिए यह नियमावली लागू की जानी है। दूसरे राज्यों में लागू नियमावली का भी अध्ययन करे तथा वहां के अच्छे प्रविधानों को अपनी नियमावली में सम्मिलित करे।

उन्होंने पेसा नियमावली लागू करने के लिए जन प्रतिनिधि अधिनियम में भी संशोधन की वकालत की। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण में ग्राम सभा की सहमति लेनी ही होगी, नहीं तो आदिवासी विरोध करेंगे। झारखंड में माडल पेसा रूल लागू हो ताकि दूसरे राज्य भी इसका अनुशरण कर सकें।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा नियमावली का ड्राफ्ट अंतिम ड्राफ्ट नहीं है। कार्यशाला में आई आपत्तियों और सुझावों को ध्यान में रखकर अंतिम ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा और परंपरागत स्वशासन व्यवस्था में कोई छेड़छाड़ नहीं होगा। पेसा एक्ट की मूल् भावना और संविधान के प्रविधानों के अनुसार ही नियमावली लागू की जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि भले ही पेसा नियमावली तैयार करने में और समय लगे, लेकिन राज्य सरकार की मंशा एक दुरुस्त नियमावली लागू करने की है।

चालान काटने के मामले में झारखंड को 21वां स्थान, रोजाना कट रहे लगभग 1 हजार चालान

रांची, एजेंसी। झारखंड की सड़कों पर चल रहे वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं. इसी कारण है कि रोजाना राज्य के लगभग 1 हजार लोगों का चालान कट रहा है. शायद यही वजह है कि यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में देशभर में झारखंड राज्य 21वें नंबर पर है. झारखंड में रोजाना औसतन 937 लोगों का ट्रैफिक चालान कट रहा है. इसके अलावा पहले स्थान पर तमिलनाडु है. यहां रोजाना सबसे अधिक चालान काटे जाते हैं.

रोजाना सबसे अधिक चालान कटने वाले राज्यों में पहले स्थान पर जहां तमिलनाडु है, तो दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश, तीसरे नंबर पर केरल, चौथे नंबर पर हरियाणा और पांचवें नंबर पर दिल्ली है. इसके अलावा चालान से आमदनी के मामले में पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश, दूसरे नंबर पर हरियाणा और तीसरे नंबर पर राजस्थान है. झारखंड का स्थान 21वें स्थान पर है.

मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 13 मई 2020 से 13 मई 2025 के दौरान झारखंड में 17.10 लाख लोगों का चालान कटा है. इसमें ट्रैफिक पुलिस ने 15.88 लाख और परिवहन विभाग ने 1.22 लाख लोगों का चालान किया है. इनसे कुल 82.71 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है. 5 साल की अवधि के दौरान तमिलनाडु में 6.39 करोड़, उत्तर प्रदेश में 5.86 करोड़, केरल में 3.38 करोड़ लोगों का चालान कटा है.

राशन कार्ड : धनबाद के राशन कार्ड उपभोक्ता ध्यान दें, आपको जून में मिलेगा 3 महीने का अनाज

धनबाद, एजेंसी। मानसून आने वाला है, ऐसे में राशन कार्डधारकों के लिए अच्छी खबर है। 15 जून तक सभी कार्डधारकों को तीन माह के अग्रिम राशन का वितरण होगा। इस दिशा में जिला आपूर्ति विभाग की ओर से वितरण कार्य शुरू भी कर दिया गया है। पहले चरण में 31 मई तक जून और जुलाई माह का अनाज वितरण होगा, जबकि 15 जून तक अगस्त माह का भी अनाज सभी कार्डधारकों को दिया जाएगा।

इसे लेकर विभाग की ओर से सभी जनवितरण दुकानदारों का राशन उठाने और वितरण करने का आदेश दिया गया है। इसके तहत कुल 2.70 लाख क्विंटल राशन का वितरण किया जाना है। धनबाद जिले में जन वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले कुल कार्डधारक 4.40 लाख हैं और इस पर कुल 18.70 लाख सदस्यों तक राशन पहुंचता है। जबकि इनमें से करीब 98 हजार ऐसे कार्डधारक हैं जो छह माह से लेकर पांच साल से राशन का उठान नहीं कर रहे हैं। आपूर्ति विभाग की ओर से राज्य खाद्य आपूर्ति निगम को यह आदेश दिया गया है कि अतिरिक्त अनाज के भंडारण के लिए सरकारी गोदामों के अलावा आसपास के सरकारी भवनों का चयन भी करना है। पैक्स के गोदामों को भी लिया जाना है।

राज्य में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, महिला टीम को देंगे बराबरी का मंच : शाहदेव

रांची, एजेंसी। झारखंड के मशहूर उद्योगपति एसके बेहरा झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के अध्यक्ष पद के लिए रविवार को होने वाले चुनाव में ताल ठोक रहे हैं। एसके बेहरा ने घोषणा पत्र में झारखंड क्रिकेट को नई बुलंदियों तक ले जाने का वादा किया है। इसमें हर जिले में क्रिकेट का विकास, पांच जोनल अकादमियों की स्थापना, पारदर्शी शासन और खिलाड़ियों के कल्याण जैसे बड़े वादे शामिल हैं।

उनकी टीम ने वादा किया है कि क्रिकेट को जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाया जाएगा। इसके लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट और लीग का आयोजन होगा। स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

झारखंड के सभी 23 जिलों, उप-मंडलों और पंचायतों तक क्रिकेट को पहुंचाने का लक्ष्य है, ताकि कोई भी प्रतिभा छिपी न रहे। उनकी टीम में नंदू पटेल को उपाध्यक्ष, एसबी सिंह को सचिव और राजकुमार शर्मा को संयुक्त सचिव के रूप में मैदान में उतारा है। इसके अलावा कमेटी मेंबर में श्रवण जाजोड़िया, नवल किशोर उपाध्याय, गोपाल कृष्ण सहाय, मो।काजिर व गुरबारी हेंब्रम तथा जिला प्रतिनिधि के लिए अरुण कुमार राय, आलोक कुमार राय, प्रवीर कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, शुभम कुमार मैदान में हैं। रांची7 झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन 2025 का चुनाव 18 मई को होना है। हाई प्रोफाइल हो चुके इस चुनाव में मुख्यतः दो गुटों के बीच टक्कर है।एक गुट की अध्यक्षता अजय नाथ शाहदेव, तो दूसरी टीम की एसके बेहरा कर रहे हैं। दोनों गुटों ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन कर क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा कर रहे हैं। रांची7 आगामी 18 मई को होने वाले झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की प्रबंधन समिति के चुनाव से पहले 'द टीम' के सभी प्रत्याशी गुरुवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया के सामने प्रस्तुत हुए। इस मौके पर उन्होंने जेएससीए के कार्यकलापों में पारदर्शिता लाने, राज्य में क्रिकेट के सर्वांगीण विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया।अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने स्पष्ट किया कि अगर 'द टीम' को मौका मिला, तो जेएससीए में पारदर्शिता स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राज्य में क्रिकेट को जमीनी स्तर से मजबूत करना है। अजय नाथ शाहदेव ने बताया कि इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके शाहबाज नदीम और सौरव तिवारी को टीम में शामिल किया गया है, ताकि उनके अनुभव का लाभ राज्य के युवा खिलाड़ियों को मिल सके।

मोरहाबादी में अतिक्रमण हटाने के विरोध में सड़क जाम, पुलिस से भिड़े दुकानदार

रांची, एजेंसी। रांची के मोरहाबादी में गुरुवार को फुटपाथ दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया।जानकारी के अनुसार, गुरुवार को रांची नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदार सड़क पर उतर आये।आक्रोशित दुकानदारों ने बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के पास बांस-बल्ली और बैरियर लगाकर सड़क जाम कर दिया।इस दौरान करीब एक घंटे तक सड़क जाम रही, जिससे आवागमन बाधित हुआ।मामले की सूचना जब मोरहाबादी टीओपी की पुलिस को मिली, तो पुलिस विरोध कर रहे दुकानदारों के पास पहुंची।लेकिन दुकानदार पुलिसवालों पर ही भड़क गये.

मामले के संबंध में दुकानदारों का कहना है कि दुकानों को हटाये जाने से हमें आपत्ति नहीं है, लेकिन अतिक्रमण हटाने के नाम पर जिस तरह सब्जी और फलों को सड़क पर फेंका गया है, वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं है।मामले पर नियंत्रण पाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया।पुलिस ने दुकानदारों से कहा कि आप लोग बिना किसी अवैध स्ट्रक्चर का निर्माण किए दिन भर सब्जी बेचें और शाम को उसे लेकर घर वापस चले जायें।प्रशासन आपको परेशान नहीं करना चाहता है।आप आराम से अपनी दुकानें लगायें।पुलिस की यह बात सुनकर दुकानदारों का गुस्सा शांत हुआ.

वहीं, अतिक्रमण हटाने के दौरान फल और सब्जियों को सड़क पर ही फेंक दिया गया था।इसे सुबह के करीब नौ बजे निगम के सफाईकर्मियों ने सड़क से उठाया।इधर, मोरहाबादी दुकानदार संघ के अध्यक्ष कुमार रोशन ने कहा कि देर रात करीब 12 बजे अतिक्रमण अभियान चलाना और दुकानें हटाना उचित नहीं है।अधिकारी इसकी जानकारी दें कि किसके आदेश पर आधी रात को अभियान चलाया गया।

बंगाल की मुस्लिम महिलाएं ले रहीं मंईया सम्मान योजना की राशि, खुलासा हुआ तो, हर कोई रह गया दंग!

पोटका, एजेंसी। झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना का लाभ बंगाल की मुस्लिम महिलाएं उठा रही हैं। दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर सीमावर्ती क्षेत्रों में यह खेल लगातार चल रहा है। फर्जी राशन कार्ड, फर्जी मोबाइल नंबर के सहारे गलत तरीके से रजिस्ट्रेशन करा कर बंगाल की मुस्लिम महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े पैमाने पर यहां मुर्शिदाबाद के मुस्लिम मिस्त्री और विभिन्न तरह के कार्य करने वाले लोग निवास करते हैं। जो गलत तरीके से अपने परिवार के लोगों का मंईयां सम्मान योजना में नाम रजिस्टर्ड करा कर इनका गलत तरीके से लाभ ले रहे हैं।

पोटका में सत्यापन सूची में बंगाल की महिलाओं के नाम आने से मुखिया बाघराय सोरेन दंग रह गए हैं। मुखिया ने बताया कि 480 मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सत्यापन के लिए सूची प्रखंड से उपलब्ध कराई गई है। इस सूची में जब जांच की जा रही है तो पता चल रहा है कि कलिकापुर पंचायत में 27 बंगाल की मुस्लिम महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही थीं।

उन्होंने कहा कि जब इन महिलाओं के मोबाइल नंबर से संपर्क किया गया तो कई नंबर गलत हैं और जो नंबर चालू हैं वह बंगाल से फोन रिसीव कर रहे हैं। योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड जरूरी था मगर फर्जी राशन कार्ड नंबर डालकर इस योजना का लाभ बड़े ही आसानी के साथ मुस्लिम महिलाएं ले रही थीं।

कहा कि मेरे पंचायत में एक भी मुस्लिम परिवार निवास नहीं करती है। इस मामले को लेकर झारखंड सरकार से मैं उच्चस्तरीय जांच की मांग करता हूं। सभी लाभुकों का सत्यापन होना चाहिए, ताकि यहां के रहने वाले महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सके।

इ न महिला लाभुकों के सत्यापन के लिए सूची कलीकापुर पंचायत में आई है जिसमें मंजूरा खातून, शेरा खातून, बॉबी बानु, अंजुना खातून, जूही जहांन, बानु बेगम, आजादी बानु, अहिदा टुडू, अर्जुना खातून, जाहिदा खातून, हुस्नारा बानु, नामिना खातून, ममुदा खातून, नजमीन खातून, सहेंसा बेगम, मिनारा खातून, नूर बानु, हसीना बीबी, नूरी बेगम, सबीना खातून, खतीजा खातून, मनीला खातून, रेशमा खातून, शहनाज बेगम, लैला बेगम आदि शामिल है।

आकाशीय बिजली से सीआरपीएफ के एक अधिकारी की मौत

रांची, एजेंसी। चाईबासा के सारंडा में आकाशीय बिजली गिरने से सीआरपीएफ के 2 अधिकारी और झारखंड पुलिस के 2 एएसआई झुलस गए। इलाज के दौरान सीआरपीएफ की 26 बटालियन के सेकेंड इन कमांड एम प्रोबो सिंह की मौत हो गई है। सीआरपीएफके सहायक कमांडेंट सुबीर मंडल, जगुआर के 2 एएसआई सुदेश और चंदलाल हांसदा की हालत गंभीर है। तीनों को रांची रेफर किया गया है। देर रात सीआरपीएफ कैंप के पास आकाशीय बिजली गिरने से सभी उसकी चपेट में आ गए थे।

पूरे झारखंड में आकाशीय बिजली का अलर्ट : इधर, मौसम विभाग ने आज झारखंड के सभी जिलों में आकाशीय बिजली और तेज हवा का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार से झारखंड होते हुए एक टर्फ लाइन गुजर रही है। यह टर्फ लाइन झारखंड के लिए फायदेमंद रहेगा। इसकी वजह से 19 मई तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। झारखंड में अभी भी वैसी गर्मी नहीं पड़ी है, जिस तरह की गर्मी इस समय पड़नी चाहिए।

3 दिनों में गिर सकता है अधिकतम तापमान : 16 मई से तापमान में गिरावट आ सकती है। इसके बाद बारिश का दायरा बढ़ेगा। 19 मई तक पश्चिमी भाग को छोड़कर अधिकतर क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बदलाव की संभावना नहीं है। इसके अगले 3 दिनों में इसमें तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा खूंटी का : पिछले 24 घंटे में राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 44.6 एमएम हाटगम्हरिया (पश्चिम सिंहभूम) में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने 17 मई को भी लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ शेष हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चल सकती है। हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। वहीं, वज्रपात की भी संभावना है। वहीं, 18 और 19 मई को राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा का झोंका चल सकता है। वज्रपात की भी संभावना है।

न्यूनतम वेतन मामले की सुनवाई में नहीं पहुंचे श्री पब्लिकेशन के प्रतिनिधि

धनबाद, एजेंसी। धनबाद नगर निगम में होल्डिंग टैक्स संग्रह का कार्य देख रही कंपनी श्री पब्लिकेशन के खिलाफ कर्मियों ने न्यूनतम वेतन व पीएफ सुविधा से वंचित रखने की शिकायत श्रम विभाग में की है।इसे लेकर श्रम कार्यालय बरटांड़ में गुरुवार को सुनवाई होनी थी।लेकिन श्री पब्लिकेशन की ओर से अपना पक्ष रखने के लिए कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ।इस वजह से कर्मियों में नाराजगी है।उनका आरोप है कि उन्हें पिछले तीन वर्षों से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही है।न ही पीएफ जैसी मूलभूत सुविधाएं दी जा रही।कर्मियों ने आरोप लगाया कि कंपनी के प्रोजेक्ट हेड मनोज रवानी ने उन्हें बार-बार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है व ऐसा न करने पर काम से हटाने और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया।इस व्यवहार की भी शिकायत नगर निगम को सौंपी गयी है।मामले में सहायक श्रमआयुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में नियमानुसार कंपनी पर कार्रवाई की जायेगी.

सहायक श्रमायुक्त ने नगर निगम धनबाद की आउटसोर्सिंग कंपनी श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स प्राइवेट लिमिटेड, रांची को उनके एक पूर्व कर्मचारी विजय कुमार गोस्वामी की शिकायत पर नोटिस जारी किया है।शिकायत में आरोप है कि कंपनी ने अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक का पारिश्रमिक नहीं दिया।30 अक्टूबर 2023 को बिना किसी पूर्व सूचना के कार्य से हटा दिया।उन्हें हटाने की जानकारी 29 मार्च 2024 को ईमेल से दी गयी, जो श्रम कानूनों का उल्लंघन है।सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि कर्मचारी को छंटनी से पहले एक महीने की लिखित सूचना देना अनिवार्य है, जिसे कंपनी ने नहीं निभाया।साथ ही बकाया वेतन न देना श्रम अधिकारों का उल्लंघन है।विभाग द्वारा कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है।यदि कंपनी इस निर्देश का अनुपालन नहीं करती है, तो सक्षम न्यायालय में अभियोजन दायर करने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी.

सुभाषितम्

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं।
- हितोपदेश

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

-श्वेता गोयल

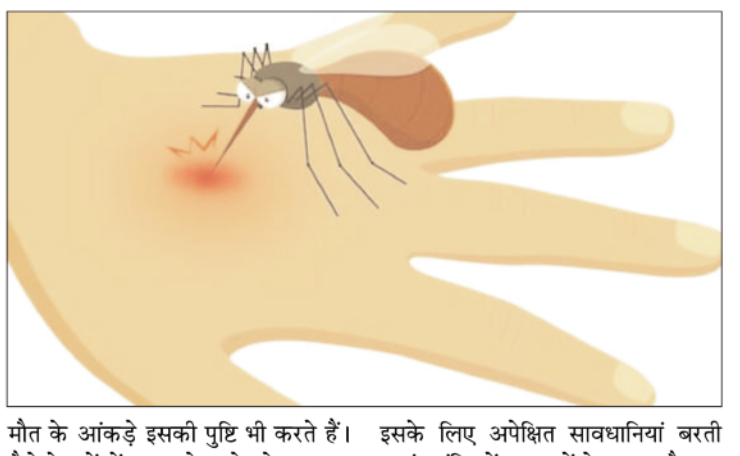

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को ह्यराष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं। तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए। डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है।

पहलगाम हमले में टीआरएफ के साथ पाकिस्तानी हाथ

यह तो सभी मानेंगे ही कि किसी को बड़ा अपराधी बनाने में किसी न किसी बड़ व्यक्ति या संगठन का हाथ होता है, ठीक वैसे ही जैसे कि आतंकवार को पालने और पोसने में पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ सदा से रहा है। इस बात को खुद पाकिस्तान के नेताओं ने समय-समय पर माना है, लेकिन इसका हल निकाल पाने में सभी नाकाम साबित हुए हैं। खासतौर पर तब जबकि पाकिस्तानी आवाम खुद भी इस आतंकवाद से परेशान है, सरकार और सेना मिलकर कोई हल क्यों नहीं निकाल पा रही हैं, बड़ा सवाल है। पाकिस्तान के लिए भी ये आस्तीन के सांप ही साबित होते आए हैं, बावजूद इसके एक सियासी जमात इन्हें पालने और बढ़ाने में अपनी पूरी ताकत झोंकती आई है। इसका खामियाजा पड़ोसी मुल्कों को भी उठाना पड़ता है। इसी के चलते बीते माह 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश ही नहीं दुनियां को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों के इस कायराना हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। शुरूआती जांच में ही इस आतंकी घटना के तार पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रसिस्टेन्स फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़ते दिखे। पहले टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी सीना ठोंक कर ले भी ली थी। जब अंतर्राष्ट्रीय दबाव पड़ा और पाकिस्तान को भारतीय जवाब की सूझ आई तो टीआरएफ ने बयान बदल दिया और जिम्मेदारी लेने से साफ इंकार कर दिया। अब भारत ने इस आतंकी हमले से संबंधित पुख्ता सबूत संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पेश कर दिए हैं, जिससे टीआरएफ और इसके संरक्षक पाकिस्तान की साजिश बेनकाब होती दिखी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय और काउंटर टेररिज्म कमेटी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टोरेट (सीटीईडी) के समक्ष विस्तार से जानकारी पेश की है। भारत का साफ कहना है कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, वह टीआरएफ द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के निर्देश पर किया गया, और इसके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की रणनीति थी। भारतीय अधिकारियों ने यूएन की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को भी टीआरएफ की गतिविधियों से अवगत कराया और टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने की मांग रखी है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि टीआरएफ का बयान और फिर उससे पलटना पाकिस्तान के दबाव में किया गया ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाक सरकार की छवि को नुकसान न पहुंचे। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का ही नया चेहरा है, जिसे एफएटीएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय निगरान एजेंसियों की निगाह से बचाने के लिए एक ह्यलो-प्रोफाइलह्ण आतंकी ब्रांड के रूप में पेश किया गया है। लेकिन भारत ने इन दो संगठनों की कड़ी साठगांठ के सबूत यूएन के सामने रखे हैं।
इसी बीच भारत ने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता आवश्यक है। यदि टीआरएफ जैसे आतंकी संगठनों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में शामिल नहीं किया जाता है तो आतंकवादियों को बल मिलता रहेगा और निर्दोष लोगों की जान यूं ही जाती रहेगी। भारत का यह कदम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में एक निर्णायक प्रयास है। भारत द्वारा दिए गए डिजिटल, कॉल रिकॉर्ड, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और इंटेलिजेंस इनपुट्स के आधार पर माना जा रहा है कि यूएन टीआरएफ को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो टीआरएफ से जुड़े फंड, हथियार आपूर्ति और सीमा पार नेटवर्क पर करारा प्रहार हो सकेगा। भारत लंबे समय से यह प्रयास कर रहा है कि पाकिस्तान की छद्म युद्ध नीति, जो वह लश्कर और जैश जैसे संगठनों के जरिए चलाता है, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर हो। पहलगाम हमले के बाद भारत की ओर से की गई यह कूटनीतिक कार्रवाई इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट होता है कि अब भारत आतंकी हमलों के प्रति केवल सीमित जवाब देने की नीति से आगे बढ़ चुका है।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

शांति और धैर्य से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

-संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर कोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी कोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अतः ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मों के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मात्रभूमि के लिए लड़ना और मरना, अतः संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई कर-वट ली है। देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है ऐ आपकी सुरक्षा के लिए जरुरी है लेकिन जब तब कोई देश ने आप पर परमाणु हमला करता तब एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है

डिजिटल पर्दे पर कामुकता की तिजारत

- सोनम लववंशी

संस्कृति, चेतना और सामाजिक अनुशासन की तमाम परंपराएं उस समय ठिठककर खड़ी रह जाती हैं, जब किसी समाज में नंगई को स्वतंत्रता, अश्लीलता को प्रयोग, और उत्तेजना को रचनात्मकता कहकर स्वीकार कर लिया जाता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के उल्लू एप पर प्रसारित हो रहा एक शो ह्यहाउस अरेस्ट इसी अंधेरे की ओर हमारा ध्यान खींचता है, जहाँ मनोरंजन के नाम पर मूल्यों की अर्थी सजाई जा रही है। 20 अप्रैल, 2025 से प्रसारित यह शो, जिसे होस्ट कर रहे हैं पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज खान केवल एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि समाज के उस गिरते हुए मानसिक धरातल की गवाही है, जहाँ टास्क के नाम पर प्रतियोगियों से अंतरंग मुद्राओं का अभ्यास करवाया जा रहा है। कैमरे के सामने, कपड़े पहनकर गरिमा को तार - तार किया जा रहा है। शो की एक क्लिप में जब एक महिला प्रतिभागी मासूमियत से अपनी जानकारी डॉग पोजीशन या अप-डाउन जैसे शब्दों में व्यक्त करती है, और दर्शकों की वाहवाही पाती है, तब प्रश्न यह उठता है कि क्या अब शालीनता बासी विषय हो चुका है वास्तव में यह शो एक सतही प्रवृत्ति की उपज है, जहाँ न सामाजिक उत्तरदायित्व है, न रचनात्मक विवेक। नारी-पुरुष संबंधों की मयार्दा को जिस चंचलता और अश्लील चेष्टाओं के सहारे टास्क बनाया गया है, वह दशार्ता है कि अब वयस्क कंटेंट और विवेकहीन कंटेंट में कोई अंतर नहीं रहा। यह केवल शो नहीं, चेतना पर आघात है एक ऐसी पीढ़ी के नाम जो यह देख रही है, सीख रही है, और आगे यही बनना चाह रही है। ऐसी सामग्री का मनोवैज्ञानिक असर गहरा और दीर्घकालिक होता है। किशोरावस्था में जब पहचान और सोच का निर्माण हो रहा होता है, तब इस तरह के दृश्य मस्तिष्क में यौनिकता की विकृत छवियाँ अंकित कर देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नाबालिगों द्वारा किए गए यौन अपराधों में पिछले 5 वर्षों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। क्या यह महज संयोग है कि उसी दौर में इंटरनेट और ओटीटी पर इस तरह की सामग्री की बाढ़ आई? भारत में 2023 के आंकड़ों के अनुसार, 43 प्रतिशत ओटीटी दर्शक वयस्क सामग्री को प्राथमिकता देते हैं। यही तथ्य प्लेटफॉर्म्स की रणनीति बन चुका है जहाँ भावनात्मक संबंध नहीं, केवल शरीर की ह्यसंभावनाओंह्ण को भुनाया जाता है और यही वह खतरनाक मोड़ है, जहाँ एक समाज अपने नैतिक संतुलन को खो देता है। हाउस अरेस्ट जैसे कार्यक्रम केवल क्षणिक उत्तेजना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक आदर्शों को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। नारी को केवल दृश्य माध्यम का उपकरण बना देना, उसके अस्तित्व को कंटेंट में सीमित कर देना, वह भी स्वयं की स्वीकृति के साथ ये वह चुप्पी है जो आने वाले समय में सामाजिक विस्फोट का कारण बन सकती है। विडंबना यह है कि इसे बोल्डनेस, ओपन माइंडेडनेस और फ्रैंकनेस जैसे शब्दों की चमकदार चादर में लपेट दिया गया है और अगर कोई प्रश्न करे, तो वह पिछड़ा, रूढ़िवादी या ह्यमॉरल पुलिस करार दिया जाता है। लेकिन क्या सभ्यता इतनी उन्नत हो चुकी है कि अब विवेक पर प्रश्नचि लगाना अपराध हो गया है? हाउस अरेस्ट केवल एक मंच नहीं, यह एक समाजशास्त्रीय चेतावनी है जो एक संकेत है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष आज दिन कारोबार और आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे।

तुला सम्मान से भरा रहेगा। शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिल सकती है।

वृषभ करियर में सम्मान मिलेगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे।

मिथुन आज भाग्य साथ देगा। आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं सफल होंगी। आपकी तरक्की होगी।

धनु आज दिन अधिक खर्च वाला रहेगा। सांसारिक सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क आज करियर में सफलता मिलेगी। कारोबार में तरक्की और सफलता के योग बन रहे हैं।

मकर करियर के मामले में लाभ का दिन है। कारोबार में लाभ होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

सिंह आज दिन शुभ है। योजनाएं सफल होंगी। राजनीतिक क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। संतान के दायित्व पूरे होंगे।

कुंभ आज करियर के मामले में काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। खर्च अधिक रहेगा।

कन्या आज दिन प्रसन्नता से भरा रहेगा। आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन में वृद्धि के योग हैं।

मीन आज दिन शुभ है। किसी काम से यात्रा हो सकती है। व्यापार में बढ़ती प्रगति से खुशी होगी।

विशेष

सिंदूर ट्रेडमार्क, सेना का या बीजेपी का?

ऑपरेशन सिंदूर की लोकप्रियता बड़ी तेजी के साथ बढी है।सिंदूर को ट्रेडमार्क मानते हुए मुकेश अंबानी ने इसके राइट लेने के लिए कोशिश की थी। लेकिन इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। जिसके कारण उन्होंने अपना प्रस्ताव वापस ले लिया। जिस तरह से सिंदूर लोकप्रिय हुआ है। उसके बाद कई कंपनियां सिंदूर को अपना ट्रेडमार्क बनाना चाहती हैं। सिंदूर को लेकर सेना और भाजपा अपना-अपना दावा जता रही है। सिंदूर नाम रखने की प्रेरणा भाजपा नेताओं ने दी थी। अंतिम फैसला मंत्रिमंडल ने लिया था। ऐसी स्थिति में कॉपीराइट पर भाजपा दावा कर रही है। वहीं सेना ने सिंदूर ऑपरेशन को अंजाम दिया है। सिंदूर पर सेना का कॉपीराइट होगा, भाजपा का कॉपीराइट होगा यह कहना मुश्किल है।

सेना का कमाल, देशभक्ति पर भाजपा का कॉपीराइट

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। आतंकियों के 9 ठिकानों को भारतीय सीमा से तबाह कर दिया।सैकड़ों आतंकियों को मार गिराया। सैकड़ों ड्रोन पाकिस्तान के गिरा दिए। भारतीय सेना ने चार दिन के अंदर जो कमाल दिखाया। इसका लाभ लेने के लिए राजनीतिक प्रयास शुरू हो गए हैं। बीजेपी तिरंगा यात्रा निकालकर ऑपरेशन सिंदूर और देशभक्ति का ट्रेडमार्क अपने नाम करने की कवायत कर रही है। राजनीतिक दलों के बीच में सेना के शौर्य और पराक्रम का जिस तरह से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। उसमें विपक्षी दल कभी भी भाजपा की बराबरी नहीं कर सकते हैं। विपक्षी दल सेना की बाह-बाही कर रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

आज का इतिहास 16 मई 1568 स्काट्स की रानी मेरी ने इंग्लैंड में शरण ली. 1770 मेरी एंटोनियो का विवाह फ्रांस नरेश लुई 16वें से हुआ. 1811 निकोलस सोल्ट के नेतृत्व में फ्रांसीसी फौजों को ब्रिटिश फौजों ने अल्बुहेरा में रोक दिया. 1929 हालीवुड में अकादमी पुरस्कारों की शुरूआत हुई थी जिन्हें 1931 में आस्कर नाम दिया गया. 1932 जापान के प्रधानमंत्री सुयोसी इनुकाई की हत्या हुई. 1960 भारत और इंग्लैंड के बीच टेलेक्स सेवा शुरू हुई. 1963 अमरीकी अंतरिक्ष यात्री मार्डन कूपर अंतरिक्ष में 22 चक्कर लगाने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे. 1967 ब्रिटेन के यूरोपीय आर्थिक समुदाय में शामिल होने के मुद्दे पर फ्रांस में वोटो किया. 1969 सोवियत अंतरिक्ष यान शुक्र ग्रह पर उतरा.

दैनिक पंचांग

17 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.14 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.16 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.30 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.58 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.08 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.23 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.39 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.44 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कुंभ	00.31 बजे से
		मीन	02.03 बजे से
		मेष	03.34 बजे से

दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 05.14 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 16.08 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 07.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.42 बजे तदनन्तर बालव 05.14 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 07'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872346
जूलियन दिन 2460811.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 17
विशेष संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

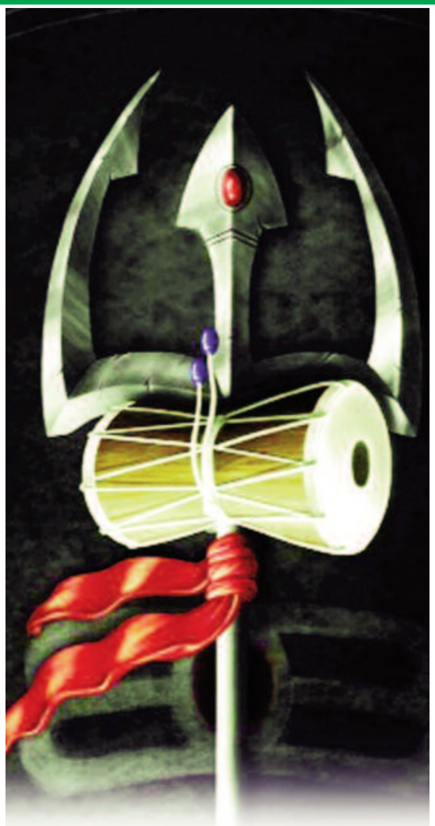

हर शिव मंदिर में रखे त्रिशूल पर क्यों बंधा होता है लाल कपड़ा?

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि हर शिवालय में भगवान शिव के प्रतीकों की स्थापना की जाती है। भगवान शिव के यूं तो कई प्रतीक हैं, लेकिन मुख्य रूप से हर शिव मंदिर में आपको त्रिशूल रखें अवश्य दिख जायेंगे।

शिव मंदिर में या तो त्रिशूल की स्थापना होती है या फिर त्रिशूल रखने का विशेष स्थान बनाया जाता है। वहीं, अगर आपने कभी गौर किया हो तो शिवालय में गढ़े या रखे त्रिशूल पर लाल रंग का कपड़ा बांधा जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि क्यों लाल कपड़े को त्रिशूल पर लपेटा जाता है और क्या है इसका महत्व।

त्रिशूल पर लाल कपड़ा क्यों बांधते हैं?

ऐसा माना जाता है कि लाल रंग का संबंध मंगल ग्रह से है और मंगल ग्रह की उत्पत्ति भगवान शिव की मुस्कान से हुई है। ऐसे में भगवान शिव के पुत्र के समान ही माने जाते हैं मंगल ग्रह। पौराणिक कथा कहती है कि मंगल ग्रह ने घोर तप करके भगवान शिव के समीप रहने का वरदान मांगा था। भगवान शिव ने जब मंगल ग्रह से कहा कि ग्रहों के चक्र से वह दूर हैं तो ऐसे में कैसे किसी ग्रह को वह अपने साथ रख सकते हैं तब मंगल ने भगवान शिव से आग्रह किया था कि मंगल के किसी प्रतीक को वह अपने किसी प्रतीक से जोड़ दें। तब शिव जी ने लाल रंग को अपने त्रिशूल से जोड़ा। भगवान शिव ने लाल रंग का कपड़ा लेकर अपने त्रिशूल से बांधा और तभी से यह प्रथा बन गई कि त्रिशूल पर लाल कपड़ा बांधा जाए। हालांकि ज्योतिष में इसका महत्व इस रूप में माना जाता है कि लाल रंग का कपड़ा त्रिशूल पर बांधने से मंगल ग्रह मजबूत होता है और दोष दूर हो जाता है।

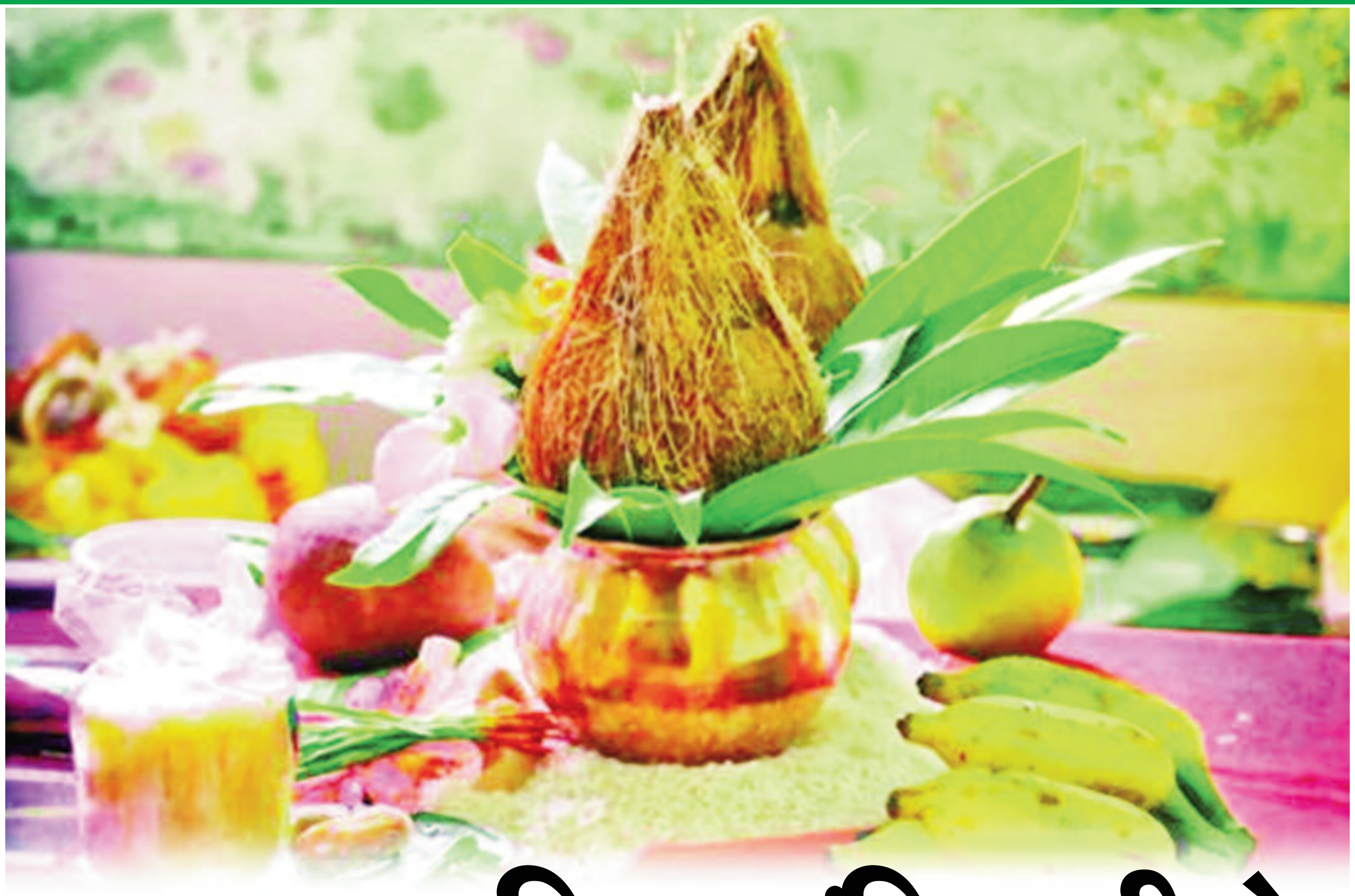

बिना पंडित जी के गृह प्रवेश कैसे करें?

नया घर खरीदना जीवन में नए अध्याय जैसा होता है। वहीं नए घर में जाने के लिए सही समय और विधिवत पूजा करने का विधान है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का आगमन होता है।

हिन्दू धर्म में गृह प्रवेश बेहद महत्वपूर्ण और शुभ अनुष्ठान माना जाता है। गृह प्रवेश यानी कि नए घर में प्रवेश करने से पहले पूजा-पाठ करना। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर में सुख-समृद्धि का भी आगमन होता है। वहीं गृह प्रवेश करने के लिए ग्रह-नक्षत्रों का सही होना बेहद जरूरी है। गृह प्रवेश के माध्यम से भगवान गणेश और ग्रह देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। इससे घर में किसी प्रकार को कोई परेशानी नहीं आती है। ग्रह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त का होना अत्यंत जरूरी है। ग्रह प्रवेश के दौरान कई बार ऐसा होता है कि पंडित जी नहीं मिल पाते हैं। अब सवाल है कि बिना पंडित जी के गृह प्रवेश कैसे किया जाए। आइए विस्तार से जानते हैं।

बिना पंडित के इस विधि से करें गृह प्रवेश

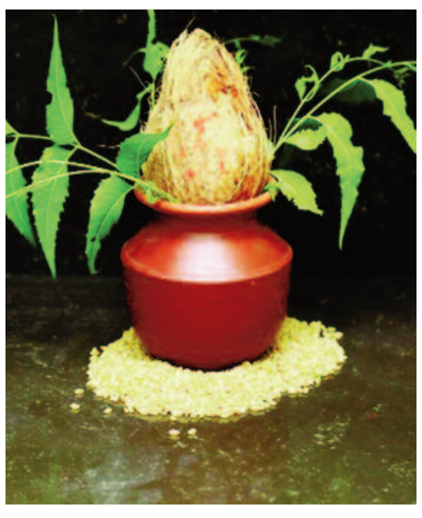

- सबसे पहले कलश स्थापना करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। कलश में गंगाजल, चावल, सुपारी और एक रुपया भरें। नारियल को दो भागों में काटकर कलश के दोनों तरफ रखें।
- पश्चात सबसे पहले भगवान गणेश और कुलदेवता की पूजा करें।
- उसके बाद नौ ग्रहों, वास्तु देवता और ग्रह देवता की पूजा करें।
- पूजा करने के बाद आरती गाएं।

गृह प्रवेश के लिए सामग्री

- गंगाजल
- स्वस्तिक बनाकर रखने के लिए लाल रंग
- धूप
- दीपक
- फूल
- फल
- मिठाई
- नारियल
- चावल
- सुपारी
- कलश
- घी
- कुमकुम
- हल्दी
- पान

गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त

अगर आप गृह प्रवेश करना चाहते हैं, तो शुभ मुहूर्त के बारे में जानना बेहद जरूरी है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में गृह प्रवेश किया जा सकता है। अभिजीत मुहूर्त दोपहर के मध्य भाग से 24 मिनट पहले शुरू होता है और 24 मिनट बाद समाप्त होता है। इसका मतलब है कि यह दिन के मध्य भाग में होता है।

गृह प्रवेश के लिए क्या है नियम?

- सबसे पहले सभी पूजन सामग्री को लेकर दाहिने पैर से घर में प्रवेश करें। घर में प्रवेश करते समय घर की महिलाओं को नारियल फोड़कर अंदर ले जाना चाहिए।
- नए घर में प्रवेश करते समय ऊँ मंत्र का जाप करें।
- पूजा घर में गंगाजल से छिड़काव करें।
- गंगाजल से छिड़काव करने के बाद भगवान गणेश का ध्यान करें।
- इस दौरान कीर्तन करना बेहद शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

नए घर में तुलसी का पौधा लेकर करें प्रवेश

जब भी आप नए घर में प्रवेश करें आपके लिए जरूरी है कि सबसे पहले तुलसी का पौधा लेकर ही प्रवेश करें। यही नहीं गृह प्रवेश के साथ ही तुलसी का पौधा भी स्थापित कर दें और उसकी नियमित पूजा करें जिससे समृद्धि बनी रहती है और नकारात्मकता दूर होती है।

नए घर में करें हवन

अगर आप घर की कुशलता बनाए रखना चाहती हैं तो बहुत जरूरी है कि गृह प्रवेश के बाद घर में सभी लोग मिलकर एक बार हवन जरूर करें। हवन करने से धुएं के साथ सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह पूरे घर में होता है और खुशहाली बनी रहती है। यदि आप हवन के साथ कपूर जलाते हैं तो इसका भी बहुत अच्छा असर होता है और ये नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर रखने में मदद करता है। आपको नियमित रूप से आरती में कपूर का इस्तेमाल करने की सलाह भी दी जाती है।

नए घर में प्रवेश करते समय आजमाएं ज्योतिष के ये उपाय

नए घर में प्रवेश करते समय आपके मन में कई सवाल होते हैं। नए घर में कैसा होगा आपका भविष्य? किस दिशा में कौन सी चीज रखनी चाहिए? आपको किस तरह की चीजों को घर में रखना चाहिए? यही नहीं नए घर में आप कौन से उपाय आजमाकर खुशहाली ला सकते हैं। ऐसे कई सवालों के जवाब आपको ज्योतिष में मिल सकते हैं।

नए घर में प्रवेश करना एक नई शुरुआत का संकेत होता है और यह घड़ी हर किसी के जीवन में महत्वपूर्ण होती है। इस नई सफल यात्रा को शुभ बनाने के लिए, ज्योतिष विज्ञान बहुत उपयोगी हो सकता है। जब भी आप नए घर में प्रवेश कर रहे हैं प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त और तिथि का होना बहुत जरूरी माना जाता है। उस समय के अनुसार ज्योतिष उपाय करने से आप अपने नए अवसरों को सही दिशा में ला सकते हैं। ऐसे ही आपको ज्योतिष से जुड़े कुछ उपायों की आजमाने की सलाह भी दी जाती है जिससे नया घर आपके लिए शुभ साबित हो सके।

नए घर में प्रवेश के लिए करें शुभ मुहूर्त का चयन

नए घर में प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त का चयन करना बहुत महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। जब भी आप घर में प्रवेश करें आपको समय का विशेष ध्यान रखना चाहिए और मुहूर्त का विचार करके ही यहां प्रवेश करना चाहिए। ज्योतिष की मानें तो कुछ विशेष तिथियां और मुहूर्त ऐसे होते हैं जो आपके भविष्य के लिए शुभ फल प्रदान करते हैं और नये घर के प्रवेश को और भी शुभ बना सकते हैं।

गृह प्रवेश पूजा है जरूरी

ऐसा माना जाता है कि कभी भी जब आप नए घर में प्रवेश करें तो सबसे पहले गृह प्रवेश पूजा अवश्य करवाएं। गृह प्रवेश पूजा एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय उपाय है जो नए घर की सुरक्षा और शुभता बनाए रखने के लिए जरूरी मानी जाती है। आमतौर पर यह पूजा घर के स्वामी द्वारा ही की जाती है। इसके लिए मुख्य रूप से गणपति पूजन किया जाता है जिससे सकारात्मकता बनी रहे।

गायत्री मंत्र का करें जाप

आप जब भी नए घर में प्रवेश कर रहे हैं, उस घर के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने के लिए लगातार तीन रविवार 108 बार गायत्री मंत्र का जाप करें। इससे आपके घर का वातावरण तो शुद्ध होता ही है और गायत्री मंत्र का जाप परिवार के लोगों को मानसिक शांति भी प्रदान करता है। यदि संभव है तो यह जाप घर के सभी सदस्यों को एक साथ मिलकर ही करना चाहिए।

घर की दक्षिण दिशा में लाल झंडा लगाएं

आप जब भी नए घर में प्रवेश करें ध्यान देने की जरूरत है कि आप घर की दक्षिण दिशा में लाल रंग का झंडा लगाएं। लाल रंग विजय और साहस का प्रतीक माना जाता है और यदि आप इस रंग का झंडा लगाते हैं तो यह घर की सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है और घर के लोगों के बीच सामंजस्य बनाने में मदद करता है। इसके प्रभाव से घर के भीतर किसी भी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता है।

नए घर के हर कोने की करें सफाई

आप जब भी नए घर में प्रवेश करें आपको इस बात का ध्यान देने की जरूरत है कि घर का कोई भी कोना गंदा नहीं होना चाहिए। किसी भी कोने में मकड़ी के जले नहीं लगे होने चाहिए। ये जाले आपके घर के लिए नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकते हैं।

श्री राम ही नहीं, ये दो योद्धा भी कर सकते थे रावण का वध

जब पृथ्वी पर रावण का अत्याचार बढ़ने लगा था तब भगवान विष्णु के सांतवे अवतार के रूप में भगवान श्री राम ने पृथ्वी पर जन्म लिया था। श्री राम ने एक-एक कर अपनी बाल्य अवस्था से ही दुष्टों का संहार करना शुरू कर दिया था और वह समय भी शीघ्र आया जब वनवास के दौरान श्री राम ने रावण का वध कर उसके दुराचार से सृष्टि को मुक्त किया। यह सत्य है कि रावण का वध श्री राम के हाथों होना ही लिखा था, लेकिन रामायण में ऐसे दो योद्धाओं का भी वर्णन मिलता है जो रावण का वध करने में सक्षम थे।

कौन-कौन कर सकता था रावण का वध?

रामायण में उल्लेख मिलता है कि रावण अति बलशाली था। रावण के पास अनेकों मायावी और आसुरी शक्तियां मौजूद थीं। रावण की हुंकार से क्या मनुष्य और क्या देवता, सभी थर-थर कांपते थे। रावण की असीमित शक्तियों और उसके मनुष्य के हाथों मरने के वरदान के कारण ही श्री राम पृथ्वी पर अवतरित हुए। हालांकि रामायण में यह भी बताया गया है कि दो ऐसे योद्धा थे जिनसे रावण कांपता था। रावण उन योद्धाओं से उलझने से भी डरता था क्योंकि कहीं न कहीं रावण को भी पता था कि वह योद्धा उसका वध करने की ताकत रखते थे। वह योद्धा थे- देवराज इंद्र का पुत्र बालि और भगवान शिव के अंश हनुमान जी।

यह सत्य है कि रावण का वध श्री राम के हाथों होना ही लिखा था, लेकिन रामायण में ऐसे दो योद्धाओं का भी वर्णन मिलता है जो रावण का वध करने में सक्षम थे।

असल में बालि को यह वरदान प्राप्त था कि जो भी उससे युद्ध करने आएगा, उसका आधा बल बालि के अंदर समाहित हो जाएगा। ऐसे में एक अबर रावण युद्ध करने पहुंचा तब वह बालि से युद्ध में हर गया और बालि 10 दिनों तक उसे अपनी बगल में दबाकर घूमता रहा। तब रावण बाल-बाल बचा था। ठीक ऐसे ही हनुमान जी भगवान शिव के अंशावतार होने के कारण परम शक्तिशाली थे और भगवान शिव की शक्तियां उनमें समाहित थीं। इस बात से से रावण भी अनिभिज्ञ नहीं था। इसी कारण से रावण ने कभी भी सीधे-सीधे हनुमान जी से युद्ध नहीं किया था।

युद्ध के दौरान हुआ नुकसान या चली गई जान

तो क्या बीमा कंपनी से मिलेगा क्लेम

नई दिल्ली, एजेंसी। युद्ध विराम के बाद लोग अब अपने जान-माल को युद्ध और युद्ध जैसी स्थिति में होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बीमा कवरेज की पड़ताल कर रहे हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी उन्हें सुरक्षा देगी।

22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। जिसके चलते युद्ध की आशंकाएं गहराने लगी थीं। युद्ध विराम के बाद लोग अब अपने जान-माल को युद्ध और युद्ध जैसी स्थिति में होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बीमा कवरेज की पड़ताल कर रहे हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी उन्हें सुरक्षा देगी। युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति से तात्पर्य किसी देश के बीच सैन्य संघर्ष, आतंकी हमले, गृहयुद्ध, बम धमाके, मिसाइल हमले या परमाणु हमले से उत्पन्न परिस्थितियों से है।

भारत में, ज्यादातर टर्म और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आमतौर पर युद्ध या युद्ध जैसे ऑपरेशन की वजह से होने वाली मौत को जनरल एक्सक्लूजन में शामिल नहीं करती हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के हेड (टर्म इंश्योरेंस) वरुण अग्रवाल बताते हैं कि अधिकांश टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी युद्ध या आतंकवादी गतिविधियों के कारण होने वाली मृत्यु को कवर करती हैं, क्योंकि इन घटनाओं को आमतौर पर पॉलिसी कवरेज के

बाहर नहीं रखा जाता है। ऐसी स्थिति में बीमा कंपनियां आतंकी हमले या युद्ध से मौत को प्राकृतिक या दुर्घटनावश हुई मृत्यु की तरह ही मानती हैं। युद्ध या आतंकी हमले में पॉलिसीधारक की मौत होने पर नॉमिनी या कानूनी वारिस को डेथ बेनिफिट मिलता है। टर्म इंश्योरेंस के अंदर एक महत्वपूर्ण एक्सक्लूजन यह है कि पॉलिसी शुरू होने के पहले साल के अंदर अगर व्यक्ति आत्महत्या करता है तो उसे कवर नहीं किया जाएगा, जबकि अन्य एक्सक्लूजन्स में बीमा कंपनी के आधार पर खतरनाक गतिविधियों, क्रिमिनल एक्ट या नशीले पदार्थों के सेवन के कारण मृत्यु शामिल हो सकती है।

टर्म या लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी में युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति को साफ तौर पर कवरेज से बाहर नहीं रखा गया है। हालांकि, बीमा कंपनियों के इंटरनल रिस्क मैनेजमेंट प्रोटोकॉल होते हैं। इनके आधार पर कुछ क्षेत्रों को हाई-रिस्क एरिया के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ये ऐसे इलाके होते हैं, जहां संघर्ष या अशांति की आशंका ज्यादा होती है। यदि पॉलिसीधारक ऐसे क्षेत्र में रहता है या वहां यात्रा करता है, तो बीमा कंपनी अंडरराइटिंग नियमों के आधार पर क्लेम देने से मना कर सकती है।

स्वास्थ्य बीमा आज के समय में हर शख्स के लिए एक जरूरत बन गया है, जो इलाज पर जेब से होने वाले भारी-भरकम खर्च से बचाता है। ज्यादातर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों में वॉर एक्सक्लूजन क्लॉज या फिर स्पेसिफिक एक्सक्लूजन में युद्ध और युद्ध जैसी स्थिति का जिक्र होता है। जिसमें साफ लिखा होता है कि युद्ध, आतंकी हमले, या युद्ध जैसी परिस्थितियों में लगी चोटों के इलाज का खर्च इंश्योरेंस में कवर नहीं होता है। इसका मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को युद्ध जैसे हालातों में चोट लगती है और उसे अस्पताल में दाखिल होने की जरूरत पड़ती है, तो इलाज का सारा खर्च उसे अपनी जेब से उठाना होगा। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में बीमा कंपनियां युद्ध-संबंधी चोटों को कवर करने के लिए राइडर या विशेष पॉलिसी की पेशकश करती हैं। ये राइडर ज्यादा प्रीमियम के बदले युद्ध जैसी परिस्थिति में भी इंश्योरेंस कवरेज देते हैं। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां युद्ध या आतंकी गतिविधियों का खतरा ज्यादा है, तो ऐसी विशेष पॉलिसी या राइडर लेना फायदेमंद हो सकता है।

घर या गाड़ी पर क्या मिलेगा इंश्योरेंस क्लेम

ज्यादातर सामान्य इंश्योरेंस पॉलिसियों खासकर होम और मोटर इंश्योरेंस में वॉर एक्सक्लूजन क्लॉज होता है। इसका मतलब यह है कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियों में आपके घर या गाड़ी को होने वाला नुकसान इंश्योरेंस में कवर नहीं होगा। इसका मतलब है कि युद्ध या बमबारी में आपके घर को नुकसान पहुंचता है तो उसकी मरम्मत या दोबारा से बनवाने के खर्च को इंश्योरेंस पॉलिसी कवर नहीं करेगी। होम इंश्योरेंस भूकंप, बाढ़ या आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को तो कवर करती है, लेकिन आमतौर पर युद्ध जैसी स्थिति में होने वाले नुकसान को नहीं। अगर आप किसी ऐसे इलाके में रहते हैं, जहां युद्ध या हमले का खतरा ज्यादा रहता है, तो हाई रिस्क जोन के लिए खासतौर पर तैयार स्पेशलाइज्ड कवरेज ले सकते हैं। इसी तरह, आपकी कॉम्प्रिहेंसिव मोटर व्हीकल पॉलिसी बाढ़, तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं और आग, चोरी जैसी मानव-निर्मित आपदाओं से होने वाले नुकसान को कवर करती है। यानी अगर आपकी गाड़ी पर मिसाइल गिर जाती है, तो उसका नुकसान आपकी कार पॉलिसी में कवर नहीं होगा।

इंश्योरेंस पॉलिसी का रिव्यू करना जरूरी

हर शख्स के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह अपने पॉलिसी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें और समझें कि पॉलिसी में क्या चीजें कवर हैं तथा कौन-सी कवर नहीं हैं। भू-राजनीतिक तनाव के वक्त में अपने इंश्योरेंस कवरेज की समीक्षा करना, किसी तरह की दुविधा होने पर बीमा कंपनी से संपर्क करना और जरूरत के हिसाब से पर्याप्त कवर लेना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है।

आर्केड डेवलपर्स की कमाई में उछाल, क्यू4 एफवाय25 मुनाफा 70 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में प्रीमियम और लग्ज़री आवासीय प्रोजेक्ट्स के लिए प्रसिद्ध रियल एस्टेट कंपनी आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 और चौथी तिमाही (क्यू4 एफवाय25) के अपने ऑडिटेड वित्तीय नतीजे जारी किए। आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अमित जैन ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि क्यू4 एफवाय25 में साल दर साल मुनाफे में मजबूत वृद्धि और स्वस्थ मार्जिन विस्तार देखने को मिला, जो एक ऐसे साल का समापन है, जिसमें नेट प्रॉफिट में दो अंकों की वृद्धि और मार्जिन में निरंतर सुधार हुआ। यह प्रदर्शन हमारी कार्यान्वयन क्षमता, बिक्री की गति और अनुशासित संचालन दृष्टिकोण की मजबूती को दर्शाता है। हम क्यू4 एफवाय25 में अपनी ऑपरेशनल गति से भी बहुत प्रसन्न हैं, जब हमने अंधेरी ईस्ट, मलाड वेस्ट और बोरीवली वेस्ट में तीन महत्वपूर्ण रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ किया, जो मिलाकर लगभग पाँच एकड़ क्षेत्रफल में फैले हैं और 5.85 लाख वर्ग फीट प्रीमियम लिविंग स्पेस प्रदान करेंगे, जो हमारे पोर्टफोलियो को समृद्ध करेगा और भविष्य में बिक्री को बढ़ावा देगा। इस तिमाही के दौरान, हमने गोरेगांव वेस्ट में लक्जरी डेवलपमेंट के लिए एक प्रमुख ज़मीन का टुकड़ा भी अधिग्रहित किया।

2030 तक इलेक्ट्रिक कारों का होगा दबदबा

40 प्रतिशत रहेगा हिस्सा, 2019 की तुलना में बिक्री में 146 गुना वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। आईईए की रिपोर्ट के अनुसार इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी घटती कीमतें हैं और यह पहले के मुकाबले ज्यादा किफायती भी हो गई हैं। जैसे-जैसे बाजारों में इनकी कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच में आ रही हैं, वैसे-वैसे बिक्री में भी तेजी देखी जा रही है।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया भर में बिकने वाली कारों में 40 फीसदी से अधिक इलेक्ट्रिक होंगी। वर्ष 2025 के अंत तक वैश्विक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 20 करोड़ के पार जा सकती है, यानी हर चौथी बिकने वाली कार इलेक्ट्रिक होगी।

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ताजा रिपोर्ट 'ग्लोबल ईवी आउटलुक 2025' में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी घटती कीमतें हैं और यह पहले के मुकाबले ज्यादा किफायती भी हो गई हैं। जैसे-जैसे बाजारों में इनकी कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच में आ रही हैं, वैसे-वैसे बिक्री में भी तेजी देखी जा रही है। 2024 में दुनिया भर में 1.7 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जिससे वैश्विक बाजार में इनकी हिस्सेदारी पहली बार 20 फीसदी के पार पहुंच गई। वहीं 2025 की पहली तिमाही में बिक्री में 35 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई और कई बड़े बाजारों में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। भारत समेत एशिया और लैटिन अमेरिका के उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेज़ी से बढ़ी है। 2024 में इन क्षेत्रों में ईवी की बिक्री में 60 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई।

तुर्किये-अजरबैजान से कारोबार करें या नहीं, तय करेंगे देशभर के व्यापारी

नई दिल्ली , एजेंसी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की आज बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में देशभर के व्यापार यह तय करेंगे कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार किया जाए या नहीं।

देशभर के व्यापारियों ने पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार खत्म करने की योजना बनाई है। इस पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की शुक्रवार को बुलाई गई बैठक में फैसला हो सकता है। तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने से दोनों देशों को अरबों डॉलर का नुकसान होगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, जो भी देश भारत के खिलाफ है, उसके साथ व्यापार करने का कोई सवाल ही नहीं है। यह देश के व्यापारियों के लिए अपनी देशभक्ति दिखाने का उचित समय है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए यह बैठक बुलाई गई है, जिसमें तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही, भारतीय सेना के शोर्य और पराक्रम के

कैट ने बुलाई बैठक

प्रति आभार व्यक्त करने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा।

खंडेलवाल ने कहा, कैट लंबे समय से चीनी उत्पादों के बहिष्कार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहा है, जिसका काफी असर देखने को मिला है। ऐसा ही अभियान अब तुर्किये और अजरबैजान के उत्पादों के खिलाफ चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, व्यापारिक बहिष्कार के कारण तुर्किये व अजरबैजान को अरबों डॉलर का नुकसान होगा और दोनों देशों को भारत के खिलाफ खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने यह भी कहा, हमने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों विशेष रूप से इंडिगो और तुर्किये एयरलाइंस के बीच कोड शेयरिंग समझौते की फिर से जांच की जानी चाहिए। साथ ही, इसे रद्द किया जाना चाहिए।

पुणे समेत देशभर के के व्यापारियों ने भारत की ओर से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले की आलोचना करने वाले तुर्किये से आयात रोकने का फैसला किया है। वहीं, पुणे के व्यापारियों ने तुर्किये सेब और सूखे मेवों का आयात रोक दिया है और अन्य आयातित उत्पादों के भी बहिष्कार का फैसला किया है।

पुणे के कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारियों ने विरोध में बृहस्पतिवार को तुर्किये से आयात किए गए सेबों को सड़क पर फेंक दिया। पुणे के व्यापारी तुर्किये से सेब, लीची, आलूबुखारा, चेरी और सूखे मेवे आयात करते हैं। सिर्फ सेब का आयात ही करीब 1,200 करोड़ रुपये का होता है।

व्यापारी को पाकिस्तान से मिली धमकी

तुर्किये से सेब आयात बंद करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद पुणे के एक फल व्यापारी को पाकिस्तान से धमकी मिली है। कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारी सुयोग जेंडे ने बताया, सुबह करीब 9 बजे वॉयस मैसेज मिला, जिसमें भारत के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था और कहा गया कि हम पाकिस्तान या तुर्किये का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मैंने इस धमकी का जवाब वॉयस मैसेज से दिया। जेंडे ने बताया, इस मामले को लेकर व्यापारी पुणे पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 200 अंक कमजोर हुआ, निफ्टी में भी सुस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ

25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई। इस दौरान सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार; सेंसेक्स लुढ़का, निफ्टी में भी गिरावट

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था। ऐसे ही निफ्टी 395.20 अंक या 1.60 फीसदी बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 25,062.10 अंक पर पहुंच गया। अब जानिए आज का हाल... पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद मुनाफावसूली के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई।

दुनिया में अनिश्चितता के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत, संयुक्त राष्ट्र का अनुमान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस अनिश्चितता के बीच भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। जनवरी 2025 में यह अनुमान 6.6 प्रतिशत था। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं में दी गई है, जिसे 16 मई को जारी किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से मजबूत घरेलू खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिला है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र का निर्यात भी आर्थिक विकास को मजबूती देता रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया, भारत की आर्थिक वृद्धि को निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश और मजबूत सेवा निर्यात का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। भारत के माल निर्यात पर भी इसका असर हो सकता है, हालांकि दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तांबा जैसे सेक्टर इस प्रभाव से फिलहाल बचे हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में महंगाई 2024 में 4.9 प्रतिशत रहने के बाद 2025 में घटकर 4.3 प्रतिशत हो सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे में है। इसके साथ ही, रोजगार के स्तर में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई है, लेकिन महिला श्रम भागीदारी में असमानता बनी हुई है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारतीय रिजर्व बैंक

ने फरवरी 2025 में अपनी नीतिगत ब्याज दर घटाने की प्रक्रिया शुरू की। इससे पहले यह दर फरवरी 2023 से लगातार 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई थी।

अन्य देशों की स्थिति भी कमजोर

अमेरिका की बढ़ोतरी 2024 के 2.8 प्रतिशत से घटकर 2025 में 1.6प्रतिशत होने की संभावना है। चीन की बढ़ोतरी 2025 में 4.6 प्रतिशत तक सीमित रह सकती है। ब्राजील, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देशों की भी बढ़ोतरी दर में गिरावट आई है। यूएन रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि विकासशील देशों और विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक हो सकती है, जिसे निर्यात से कम आमदनी, कर्ज का बोझ और घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता उनकी विकास योजनाओं को प्रभावित कर सकती है। 2025 में कम विकसित देशों की विकास दर 4.5प्रतिशत से घटकर 4.1प्रतिशत रहने की संभावना है।

भारत में सबसे तेज बढ़ेगी तेल की मांग

चीन से दोगुनी वृद्धि; लाभांश पर 23 मई को फैसला करेगा आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल उत्पादक संगठन ओपेक ने कहा है कि भारत की तेल मांग प्रमुख देशों में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। 2025 और 2026 में यह चीन की वृद्धि दर से दोगुनी हो जाएगी। भारत की तेल मांग 2024 में 55.5 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 2025 में 57.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि 3.39 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों से मदद मिलेगी। 2026 में तेल की मांग 4.28 प्रतिशत बढ़कर 59.9 लाख टन बीपीडी हो जाएगी। यह वृद्धि 2025 में चीन की मांग में 1.5 फीसदी व 2026 में 1.25 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि से अधिक है। अमेरिका 2025 में 2.05 करोड़ बीपीडी की मांग के साथ सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता बना रहेगा। चीन 2025 में 1.69 करोड़ बीपीडी व 2026 में 1.71 करोड़ बीपीडी के साथदूसरे स्थान पर होगा।

लाभांश देने पर 23 मई को फैसला लेगा आरबीआई- आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने अपने आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा की है। इस समीक्षा के आधार पर ही सरकार को लाभांश दिया जाएगा। आरबीआई ने 2023-24 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ का लाभांश दिया था। इस बार लाभांश भुगतान अधिक होने की उम्मीद है।

वर्या क्रिएशंस व सात प्रवर्तकों पर सेबी का प्रतिबंध- आईपीओ रकम के दुरुपयोग के चलते सेबी ने वर्या क्रिएशंस और उसके सात प्रवर्तकों पर शेयर बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन्वेंचर मर्चेंट बैंकिंग को नए कारोबार लेने पर रोक लगा दी है।

निर्यात 9 फीसदी बढ़ा, व्यापार घाटा पांच माह के उच्च स्तर पर, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की अच्छी रही मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारणअप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग उत्पादों की मांग में अच्छी वृद्धि के कारण भारत का निर्यात अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 9.03 फीसदी बढ़कर 38.49 अरब डॉलर पहुंच गया।कच्चे तेल और उर्वरक की खरीदारी बढ़ने से देश का आयात भी एक साल पहले की तुलना में 19.12 फीसदी बढ़कर 64.91 अरब डॉलर पहुंच गया।वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारणअप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआथा। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात अप्रैल में 39.51 फीसदी बढ़कर 3.69 अरब डॉलर पहुंच गया।इंजीनियरिंग निर्यात 11.28 फीसदी बढ़कर 9.51 अरब डॉलर हो गया।

कच्चे तेल का आयात 25.6 फीसदी बढ़कर 20.7 अरब डॉलर हो गया। सोने का आयात 4.86 फीसदी की वृद्धि के साथ3.09 अरब डॉलर रहा।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल, 2025 के लिए सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 35.31 अरब डॉलर था जो अप्रैल, 2024 में 30.18 अरब डॉलर था। सेवाओं के आयात का अनुमानित मूल्य 17.54 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल, 2024 में 16.76 अरब डॉलर था।

आंकड़ों के मुताबिक, टैरिफ वार के बीच भारत से अमेरिका निर्यात 27.3 फीसदी बढ़कर 8.42 अरब डॉलर पहुंच गया।

मैं वहां होता तो रोहित को सिडनी टेस्ट से बाहर नहीं होने देता: शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि अगर वह कोच होते, तो उन्होंने यह सुनिश्चित किया होता कि रोहित शर्मा, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अंतिम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में मैदान पर उतरते। पिछले हफ्ते, रोहित ने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाकर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा, जिसमें उनका औसत 40.57 रहा, 12 शतक शामिल थे और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 था। 2022 से भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में, रोहित ने 24 टेस्ट में टीम का नेतृत्व किया और 12 में जीत हासिल की, जिसमें 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उपविजेता बनना शामिल है। लेकिन पिछले साल सितंबर से खराब फॉर्म के कारण रोहित का टेस्ट करियर मुश्किल में था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में, रोहित केवल एक बार 50 रन का आंकड़ा पार कर सके, जबकि उनका औसत केवल 10.93 रहा।पहले टेस्ट में पर्थ में अपने बेटे के जन्म के कारण अनुपस्थित रहने के बाद, रोहित अगले तीन टेस्ट में खेले, लेकिन केवल 31 रन बना सके। इस खराब प्रदर्शन के कारण 38 वर्षीय रोहित जनवरी में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में अंतिम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से बाहर रहे। शास्त्री ने द आईसीसी रिव्यू शो में कहा कि मैंने रोहित को टॉस के दौरान (एक आईपीएल मैच में) देखा। टॉस के समय ज्यादा बात करने का मौका नहीं मिलता। फिर भी, मैंने मुंबई में एक मैच के दौरान उनके कंधे पर हाथ रखा और कहा कि अगर मैं कोच होता, तो आप कभी भी उस आखिरी टेस्ट मैच से बाहर नहीं होते। आप उस आखिरी टेस्ट में जरूर खेलते क्योंकि सीरीज खत्म नहीं हुई थी। मैं ऐसा कोच नहीं हूं जो 2-1 के स्कोरलाइन के साथ हार मान ले। अगर आपका मनोबल ऐसा है कि आपको लगता है... यह वह समय नहीं है जब आप टीम को छोड़ते हैं।2-1 की स्थिति में सीरीज के साथ, शास्त्री ने आगे बताया कि रोहित को सिडनी टेस्ट क्यों खेलना चाहिए था। वह एक 30-40 रन का खेल था। मैंने उनसे यही कहा। सिडनी की पिच इतनी तेज थी। चाहे वह किसी भी फॉर्म में हों, वह एक मैच-विनर हैं। अगर वह गए होते, स्थिति को समझते, परिस्थितियों को भांपते और शीर्ष पर 35-40 रन भी बना लेते, तो कौन जानता है। वह सीरीज बराबर हो सकती थी। लेकिन यह सबकी अपनी सोच है। दूसरों के अलग तरीके हैं। यह मेरा तरीका होता और मैंने उन्हें यह बता दिया। यह बात मेरे दिल में लंबे समय से थी। मुझे इसे बाहर निकालना था। और मैंने उनसे यह कहा।

अल्टीमेट टेबल टेनिस का छठा सत्र 31 मई से, फाइनल 15 जून को

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) का छठा सत्र अहमदाबाद के 'ईकेए एरिना' में दोहरे मुकाबलों के साथ शुरू होगा जिसमें गत चैंपियन डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और घरेलू टीम अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के बीच मैच भी शामिल है।लीग का आगाज दूसरे सत्र की चैंपियन दबंग दिल्ली टीटीसी और श्रीजा अकुला की अगुवाई वाली जयपुर पैट्रियट्स के बीच होने वाले मैच से होगा। आठ फ्रेंचाइजी 23 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी, जिसका फाइनल 15 जून को होगा।विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नाडेट स्जोक्स और उभरती हुई भारतीय स्टार यशस्विनी घोरपड़े की अगुआई में यू मुंबा टीटी की टीम अपने सत्र की शुरुआत एक जून को महाराष्ट्र डर्बी के साथ करेगी। टीम के सामने स्पेन के दिग्गज अल्वारो रॉबल्स की कप्तानी वाली पीबीजी पुणे जगुआर की चुनौती होगी।विश्व के युवा नंबर पांच अंकुर भट्टाचार्जी, ओलंपियन कादरी अरुणा और एड्रियाना डियाज की मौजूदगी वाली कोलकाता थंडरब्लेड्स अपने अभियान की शुरुआत दो जून को तीसरे सत्र की विजेता चेन्नई लायंस के खिलाफ करेगी।चेन्नई लायंस का नेतृत्व मौजूदा सत्र के सबसे महंगे खिलाड़ी चीन के फैन सिकी और पूर्व विश्व युवा नंबर एक (अंडर-17) पायस जैन करेंगे। इसका सेमीफाइनल 13 और 14 जून को खेला जाएगा।प्रत्येक टीम ग्रुप चरण में पांच मुकाबले खेलेगी।

आरसीबी-केकेआर मुकाबले से फिर से शुरू होगी लीग, टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर नजरें

बंगलूरू, एजेंसी

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा।इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी।

लीग में 10 दिनों की अप्रत्याशित रुकावट

10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी।

दोनों टीमें शानदार लय में चल रहीं

लीग की रुकावट से पहले दोनों टीमें शानदार लय में थी। आरसीबी ने जहां अपने पिछले चारों मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ये टीमों अपनी लय को किस तरह से बनाये रखती है। कागजों पर दोनों टीमों की तुलना करें तो इसमें कोई शक नहीं की केकेआर पर आरसीबी का पलड़ा भारी होगा।

कप्तान पाटीदार के अंगुली में लगी है चोट

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान रजत पाटीदार ने अभ्यास सत्र में बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी की। पाटीदार को अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन नेट सत्र में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी भी भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बाद स्वदेश लौट आए हैं। फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

- **आरसीबी–** जैकब बेथेल/फिल सॉल्ट, विराट कोहली, स्वास्तिक चिकारा/मयंक अग्रवाल, रजत पाटीदार (कप्तान/फिटनेस के अधीन), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, यश दयाल। सुयश शर्मा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।
- **केकेआर–** रहमनुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती। हर्षित राणा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

मयंक अग्रवाल खुद को साबित करना चाहेंगे

देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की चोट के कारण गैरमौजूदगी हालांकि एक बड़ी समस्या हो सकती है। आरसीबी पडिक्कल की जगह लेने वाले मयंक अग्रवाल से इस मौके को भुनाने की उम्मीद करेगी। हेजलवुड के कंधे में चोट है और फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी नहीं दी है।

कोहली पर होंगी सभी की निगाहें

मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उनके नाम का सबसे ज्यादा नारा लगाएंगे। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर अगर गौर करें तो प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं।

प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे विराट कोहली

शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी सबसे बड़ी समस्या

केकेआर टीम के लिए लीग चरण के सभी मैच करो या मरो की तरह है ऐसे में उसे वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से प्रभावी पारियों की उम्मीद होगी। टीम को इंग्लैंड के अनुभवी हरफनमौला मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन वायरल बुखार के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की केकेआर की गेंदबाजी लाइन-अप ने कई मौकों पर महंगे साबित होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी है।

बार्सिलोना 28वीं बार बना ला लीगा चैंपियन, यमल के शानदार गोल से जीती टीम

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेन के स्टार युवा फुटबॉलर लामिन यमल के शानदार गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गुरुवार को एस्पेनयॉल को 2-0 से हराकर दो मैच शेष रहते हुए 28वीं बार ला लीगा का खिताब को अपने नाम किया। ला लीग स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग है।

यमल और लोपेज ने दागे गोल

मैच का पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद 17 साल के यमल ने 53वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई और फेरमिन लोपेज ने स्टॉपेज समय (90+5 मिनट) में गोल कर टीम की 2-0 से जीत पक्की कर दी। एफसी बार्सिलोना की यह 36 मैचों में 27वीं जीत है और टीम ने 85 अंक के साथ खिताब पक्का कर लिया। दूसरे स्थान पर काबिज रियल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 78 अंक है और अब उसके लिए बार्सिलोना की बराबरी करना संभव नहीं है।

यमल की शानदार ड्रिब्लिंग

यमल ने एस्पेनयॉल के दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपने चिर-परिचित अंदाज में बायें पैर से गोल पोस्ट कॉर्नर में गेंद को मार कर अपने इस शानदार सत्र को और यादगार बनाया। पिछले साल स्पेन को यूरो कप जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले यमल ने अपनी ड्रिबलिंग और प्लेमेकिंग की कौशल से सभी को प्रभावित किया और बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार कहा जाता है। यमल के साथ राफिन्हा, पेड्री जैसे दिग्गज खिलाडियों ने इस सत्र में बार्सिलोना के अभियान को यादगार बना दिया।

पेड्री का 200वां मैच बना खास

22 साल के पेड्री का यह बार्सिलोना के लिए 200वां मैच था। एस्पेनयॉल को 80वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिआंड्रो कैबरेरा को गेंद को लेकर विवाद करते समय यमल के पेट पर गेंद मारने के कारण रेड कार्ड दिखा गया। लोपेज ने स्टॉपेज समय में गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

मेसी ने भी पुरानी टीम को दी बधाई

दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपनी पुरानी टीम को चैंपियन बनने की बधाई दी। रियल मैड्रिड ने भी अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी को एक्स पर बधाई दी, जबकि बार्सीलोना के हजारों प्रशंसक शहर के मुख्य क्षेत्र में इस खिताब का जश्न मनाया।

एक कार दुर्घटना के कारण शुरुआती मिनटों में रेफरी ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। यहां के आरसीडीई स्टेडियम के बाहर भीड़ में कार के घुसने ये कई लोग घायल हो गए थे।अधिकारियों ने हालांकि कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसका इस मैच से कोई संबंध नहीं था।

ला लीगा के अन्य मैचों का हाल

अन्य मैचों में चौथे स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने गेटाफे पर 2-0 से जीत हासिल कर चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। तीसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि रियल बेटिस को रेयो वैलेकानो के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद चैंपियंस लीग के क्वालिफिकेशन के लिए पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। टीम 59 अंक के साथ छठे पायदान पर है।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बाकी बचे मैच खेलने भारत नहीं आएंगे स्टार्क

सिडनी, एजेंसी

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने के लिए भारत नहीं लौटेगा। यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए जगह पक्की नहीं की है।

स्टार्क 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लेकर सीजन में अब तक डीसी के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

24 मई को दोबारा खेला जाएगा धर्मशाला में रद्द हुआ मुकाबला

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी का पिछला मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था, जो अब 24 मई को फिर से खेला जाएगा। बहरहाल, माना जा रहा है कि स्टार्क विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बनेंगे, जहां गत चैंपियन का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं, इस बात की अभी भी कोई पुष्टि नहीं हुई है कि फाफ डु प्लेसिस डीसी लौटेंगे या नहीं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, लेकिन केवल बाकी लीग चरण के लिए, जिसके बाद वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए रवाना होंगे। डीसी ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर मुस्तफिजुर रहमान को भी साइन किया है, जो भारत नहीं लौट रहे हैं।

आईपीएल 2025 में मुस्तफिजुर की भागीदारी को लेकर अभी भी थोड़ी अनिश्चितता है, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि क्रिकेटर ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया है। वे अभी यूएई के खिलाफ टी20ई सीरीज खेलने के लिए शारजाह में है।

आईपीएल में अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बारे में बात करते हुए, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड दोनों सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़ने के लिए भारत लौट रहे हैं, जो प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हैं और 25 मई को सीजन के लिए अपना अभियान समाप्त करेंगे, जिससे दोनों खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। लीग चरण में डीसी के अभी भी तीन मैच बाकी हैं, और उनका अगला मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटन्स से होगा।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तान: अश्विन

चेन्नई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

जॉनसन का बेतुका बयान, विदेशी खिलाड़ियों को शेष मैचों से दूर रहने को कहा

सिडनी, एजेंसी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का एक बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों का आईपीएल के शेष मैचों के लिए लौटना बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं है। उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों से भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों को लेकर बयान दिया और कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को पैसों से ज्यादा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और सीमा पर तनाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को नौ मई को निलंबित कर दिया गया था। इसके निलंबन के एक दिन बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इससे शनिवार से आईपीएल के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, जॉनसन का मानना है कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए बाकी बचे मैचों में भाग न लेना समझदारी होगी।

उन्होंने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों को अपने निर्णय लेने का अधिकार दिया है, लेकिन उनके लिए विकल्पों का चयन करना मुश्किल हो सकता है। क्रिकेट में इन दिनों बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, लेकिन यह अब भी एक खेल ही है और इस सप्ताह आईपीएल के बंद होने के बाद इस बात पर काफी ध्यान गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अगर यह फैसला करना पड़े कि भारत वापस लौटकर टूर्नामेंट खत्म करूं या नहीं, तो यह एक आसान फैसला होगा। मैं इसका जवाब नहीं में देना पसंद करूंगा। जिंदगी और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, पैसे नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने व्यापक विचार-विमर्श करने और सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के बाद लीग को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह अब तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, अब तक फाइनल समेत प्लेऑफ के चार मैचों का स्थान तय नहीं किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक प्लेऑफ में भाग लेने वाले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा।

किसी को वापस जाने के लिए दबाव महसूस नहीं करना चाहिए

जॉनसन ने कहा, यह एक व्यक्तिगत फैसला है। किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर या दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। भले ही आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी मेहनत करें। दोनों टूर्नामेंटों को अभी समाप्त कर देना चाहिए या स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल का जिक्र करते हुए कहा, यह मत भूलिए कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ियों को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तैयारी करने की जरूरत होगी। आईपीएल फाइनल अब तीन जून तक टाल दिया गया है, जो लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले है। टेस्ट क्रिकेट के सबसे अहम मैच में से एक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित होना भी एक बड़ा मुद्दा है।

सामंथा ने अपने मुश्किल वक्त को किया याद

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की।

'एक साल काफी कठिन था'

हाल ही में गलाटा प्लस के साथ बातचीत में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था।

'मुझे मुश्किलों ने बहुत कुछ सिखाया'

सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है।

सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म हुई रिलीज

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेल- हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

मां श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर बोलीं पलक तिवारी

'किसी का भाई किसी की जान', 'द भूतनी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने बातचीत के दौरान अपनी मां, टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर अपनी राय रखी। अभिनेत्री का मानना है कि उनसे तुलना करना सही नहीं है। पलक ने मां से तुलना किए जाने पर कहा कि उनकी मां का करियर शानदार और सफल रहा है, जबकि वह अभी शुरुआती दौर में हैं। ऐसे में तुलना करना गलत है। बिजली-बिजली गर्ल के नाम से मशहूर पलक अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं। खुद को अपनी मां की तरह ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ दर्शकों के सामने पेश करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने अपनी जिंदगी में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से की जाए – यह सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं। अगर मैं दर्शकों से उनके जितना जुड़ पाती हूं, तो मैं खुद को सफल मानूंगी।

मनोरंजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही गुड्डू धनोआ के निर्देशन में तैयार रोमियो एस 3 में नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा की शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, रोमियो एस 3 मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। गुड्डू सर ने मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का जो अवसर दिया, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। शूटिंग के दौरान मुझे यही लगता था कि मुझे अपना बेस्ट देना है। उन्होंने बड़े स्टार्स के साथ काम किया है और वह बेहतरीन निर्देशक हैं। उनके साथ काम करना सम्मान की बात है। पलक ने आगे बताया, एक्शन फिल्में मजेदार होती हैं और इसे दर्शक काफी पसंद करते हैं। फिल्म में काम करना मेरे लिए रोमांचक रहा। रोमियो एस 3 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, ठाकुर अनूप सिंह पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखेंगे।

जय हनुमान से जुड़े भूषण कुमार, नॉर्थ इंडिया में प्रेजेंट करेंगे ऋषभ शेट्टी की अगली फिल्म

'कांतारा' स्टार ऋषभ शेट्टी अब एक और ऐतिहासिक व पौराणिक फिल्म 'जय हनुमान' लेकर आ रहे हैं। 'हनु मान' को बनाने वाले प्रशांत वर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। अब ताजा जानकारी ये है कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार इस फिल्म को प्रेजेंट करेंगे।

भूषण कुमार के मैत्री मूवी मेकर्स के साथ जुड़ने से यह एक बड़ा कोलैबरेशन हो गया है। दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्सुक हैं। इस नए कोलैबरेशन के बारे में बात करते हुए भूषण कुमार ने कहा, जय हनुमान के साथ हम बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक रूप से जुड़ी इस कहानी कहने में आगे बढ़ रहे हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के साथ सहयोग करते हुए हम एक ऐसी फिल्म पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो भारतीय सिनेमा और भक्ति का उत्सव है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी का अभिनय इसे और खास बनाता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने कहा, हमें हर जगह के दर्शकों के लिए 'जय हनुमान' लाने पर गर्व है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो हमारे दिल के करीब है। हम फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी को शामिल करके खुश हैं। टी-सीरीज के साथ जुड़ने से हम काफी उत्साहित हैं और फिल्म को और भी बड़े स्तर पर बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रशांत वर्मा का ड्रीम प्रोजेक्ट है 'जय हनुमान' निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'जय हनुमान' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। जो पौराणिक कथाओं को आधुनिक फिल्म निर्माण की तकनीकों से साथ जोड़ता है।

ज़ायद खान की ओटीटी मूवी द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ में 22 कैमियो और एक धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

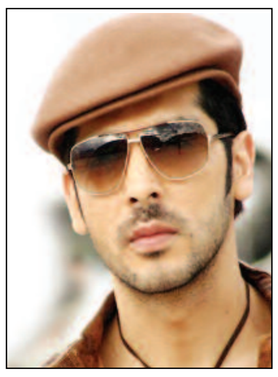

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

सलमान खान की ये नई फिल्म डिब्बा बंद, साजिद नाडियाडवाला की 'किक 2' भी हाशिये पर

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य तनाव में युद्ध विराम के एलान के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जो कुछ लिखा, और, उसके खिलाफ उनको जिस तरह का विरोध झेलना पड़ा, उसने हिंदी फिल्म जगत को चौंका दिया है। नतीजा ये हुआ है कि सलमान की भारत-चीन सैन्य तनाव पर प्रस्तावित फिल्म के लिए कोई भी फिल्म निर्माता तैयार नहीं हो रहा है। इससे पहले निर्देशक कबीर खान सलमान खान की तमाम ख्वाहिशों के बावजूद 'बजरंगी भाईजान' की सीक्वल शुरू करने से मना कर चुके हैं।

सलमान खान का हिंदी फिल्म दर्शकों में कभी जबर्दस्त क्रेज रहा है और उनकी औसत फिल्मों को भी ईद पर मिलने वाली बड़ी सफलता इसका गवाह रही हैं, लेकिन अब मौसम बदल रहा है। निर्माताओं ने भी अपनी कुर्सी की पेटियां कस ली हैं और वह अब ऐसी किसी फिल्म के साथ आगे नहीं बढ़ने की सोच रहे हैं, जिसमें सलमान खान का सोलो लीड रोल हो। हाल ही में गलवान घाटी की घटना पर एक फिल्म शुरू होने की बातें इंटरनेट पर खूब हुई। लेकिन, इस फिल्म के सामने भी संकट गहरा रहा है।

निर्देशक अपूर्व लखिया के निर्देशन में प्रस्तावित गलवान घाटी वाली फिल्म का मामला अब ठंडा पड़ता नजर आ रहा है। इस फिल्म के चलते सलमान खान का फौजी की ड्रेस में एआई से बना एक पोस्टर भी खूब वायरल हुआ लेकिन ये फिल्म अब तक शुरू नहीं हो सकी है। सलमान के करीबी सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म के लिए अब तक कोई प्रोड्यूसर ही तैयार नहीं हुआ है। वहीं, सलमान खान की राजश्री फिल्म्स के साथ लंबे अरसे से प्रस्तावित अगली फिल्म पर भी निर्देशक सूरज बड़जात्या ने फैसला फिलहाल टाल दिया है।

सलमान खान की संजय दत्त के साथ बन रही एक फिल्म के भी हाशिये पर चले जाने की खबरें हैं और ले देकर अब इस समय सलमान खान के पास सिर्फ एक ही पूर्व घोषित फिल्म है, 'टाइगर वर्सेस पठान', जिस पर इसके आदित्य चोपड़ा ने कैंसिल का निशान तो नहीं लगाया है, पर ये कब शुरू होगी, इसकी तारीख भी नहीं बताई है। सलमान खान की पिछली दोनों फिल्में 'टाइगर 3' और 'सिकंदर' काफी बड़े बजट की फिल्में रही हैं और दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर सफल नहीं रहीं। बताते हैं कि यही वजह है कि निर्माता साजिद नाडियाडवाला सलमान के साथ प्रस्तावित अपनी अगली फिल्म 'किक 2' पर अब बात भी नहीं करते, वहीं यशराज फिल्म्स से जुड़े लोग ये भी शंका जाहिर करने लगे हैं कि शायद अब 'टाइगर वर्सेज पठान' बने ही नहीं। सलमान खान को लेकर कुछ निर्देशकों ने लीड कैरेक्टर रोल जैसी फिल्में भी तैयार की हैं लेकिन वह हीरोइन के साथ गानों का मोह छोड़ 'इक्वलाइजर' या 'टेकेन' सीरीज जैसी कोई फिल्म करेंगे भी कि नहीं, इसे लेकर निर्देशकों में अभी उहापोह जारी है।

दिल रो रहा था, पर सेट पर जश्न मना रही थी, नानी को खोकर टूट चुकी थी

टीवी शो मन की आवाज़ प्रतिज्ञा से छोटे पर्दे पर बड़ी पहचान बनाने वाली ऐक्ट्रेस पूजा गौर ने फिल्म केदारनाथ से बड़े पर्दे पर बड़ी छलांग लगाई। वहीं, ओटीटी पर वह गन्स ऐंड गुलाब्स और आईसी 814- द कंधार हाइजैक जैसी चर्चित वेब सीरीज में अहम किरदारों में दिखीं। इन दिनों सीरीज अदृश्यम 2 में साहसी एजेंट दुर्गा के रूप में चर्चा बटोर रहीं पूजा से खास बातचीत

आपने टीवी से फिल्मों और ओटीटी की ओर बड़ी सफलतापूर्वक ट्रांजिशन किया। यह कितना मुश्किल या आसान था?

ये यह नहीं कहूंगी कि यह बहुत आसान था। चुनौतियां काफी थीं, क्योंकि यहां कभी आपको वजह नहीं पता चलती कि फलां रोल आपको क्यों नहीं मिला? कोई आपको मुंह पर नहीं बोलता। पहले शायद ऐसा होता कि टीवी में काम करने की वजह से फिल्मों में रोल ना मिलते हों, मगर अब चीजें बहुत बदल गई हैं। अब फिल्ममेकर्स अच्छे ऐक्टर्स का स्वागत कर रहे हैं। अब टीवी ऐक्टर, फिल्म ऐक्टर जैसा कुछ नहीं रहा। अब सभी को अच्छा ऐक्टर चाहिए, तो मेरा लक्ष्य ये रहता है कि मैं जो करूं, उसे और बेहतर करती रहूं। बाकी, क्यों, क्या, कैसे?, कौन क्या कह रहा है, उसे दिमाग में नहीं रखती।

प्रतिज्ञा हो या एजेंट दुर्गा, आपने पर्दे पर ज्यादातर सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। क्या इसके पीछे औरों को इंस्पायर करने की सोच रहती है?

मैंने कभी ये सोचा नहीं कि मुझे स्ट्रॉन्ग औरत या दूसरों को प्रेरित करने वाला किरदार ही करना है। यह मेरी किस्मत है कि मेरी झोली में ऐसे ही किरदार गिरे। शायद निर्माताओं को मुझमें वह खूबी दिखती हैं कि मैं इन सशक्त किरदारों के साथ न्याय कर सकती हूं और इसके लिए मैं ऊपर वाले का शुक्रिया करती हूं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मुझे इतने अच्छे किरदार मिले जो खुद मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं। दूसरों की बात तो बाद में आती है, मैं खुद अपनी जिंदगी में इन किरदारों से काफी सीख लेती हूं। जैसे, दुर्गा से भी मैंने काफी सीखा। एक सबसे अहम चीज जो मैंने सीखी, वह यह कि अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के बीच कैसे तालमेल बिठाना है। अपनी भावनाओं को कैसे कंट्रोल करना है कि आपके अंदर जो भी चल रहा हो, उसे अपने कर्तव्य के बीच में नहीं ला सकते।

कर्तव्य के बीच में निजी मुश्किलों को ना आने देना यानी द शो मस्ट गो ऑन वाली स्थिति तो कलाकारों की जिंदगी का भी अहम हिस्सा है। आपके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ है?

जी, बिल्कुल हुआ है। जब मेरा शो प्रतिज्ञा चल रहा था, तब मेरी नानी जी की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। मैं उनके बहुत ही ज्यादा क्लोज थी, मगर जब मुझे खबर मिली कि वह नहीं रही, उस वक्त हमारा बैक टू बैक शूट चल रहा था। हालत ऐसी थी कि हम दिन भर शूट करते थे और रात में टेलिकास्ट होता था, तो नानी के गुजरने की खबर सुनकर भी मुझे शूट करते रहना पड़ा। जबकि मेरा दिल रो रहा था। आज भी मुझे उनकी उतनी ही याद आती हैं, तो उस वक्त तो मैं टूट चुकी थी, पर हमारा टेलीकास्ट था। यही नहीं, इत्तेफाक से वे सीन बहुत पॉजिटिव, जश्न और खुशी के सीन थे तो अंदर की भावनाओं को दबाकर, एक मुखौटा लगाकर वो सीन करना मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था।

आपने पहले किक बॉक्सिंग सीखी थी, एक एजेंट का रोल करते हुए वह ट्रेनिंग कितनी काम आई?

असल में मैंने किक बॉक्सिंग फिजिकल फिटनेस के लिए सीखी थी, क्योंकि मैं सिर्फ जिम नहीं जाना चाहती थी। मुझे कोई नया स्किल सीखना था और मुझे लगा कि किक बॉक्सिंग में मजा आएगा। इसलिए, मैंने कुछ टाइम के लिए वो सीखा। निश्चित तौर पर इस शो में उसका फायदा मिला, क्योंकि उसमें कॉम्बैट की कुछ तकनीक सिखाई जाती है। हालांकि, मैंने बहुत बेसिक सीखा था, मगर वह इस शो का हिस्सा बनने के लिए आधार बना, क्योंकि इस किरदार की तैयारी के लिए भी मैंने कॉम्बैट तकनीक सीखी, चाहे वो हैंड टू हैंड कॉम्बैट हो या बंदूक कैसे पकड़ना है जैसी चीजें, ये चीजें निश्चित तौर पर वह ट्रेनिंग काम आई।

केदारनाथ में सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव कैसा रहा था?

सुशांत कमाल का ऐक्टर था। हमने अपना करियर साथ में शुरू किया था। हमने लगभग एक समय में अलग-अलग प्रॉजेक्ट में अपने करियर की शुरुआत की थी, तो मैं केदारनाथ से पहले से उसे जानती थी। उसमें बहुत सारी खूबियां थीं। अपने किरदार में ढल जाना, जुनूनी, वह अपनी बेहतरीन और अपनी तरह के अनूठे थे।